राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार, १२ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३१३ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

योगी आदित्यनाथ बोले, अगले साल तक तैयार हो जाएगा गोरखपुर एम्स

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर में आयोजित तीन दिवसीय संगोष्ठी 'स्वस्थ पूर्वी उत्तरप्रदेश-एक पहल' की शुरुआत करते हुए कहा कि अगले वर्ष इस एम्स को जनता के लिए समर्पित कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''टीम भावना के साथ जब कार्य किया जाता है, तो उसके बेहतर परिणाम निश्चित रूप से परिलक्षित होते हैं।

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर में बन रहा एम्स अगले साल तक तैयार हो जाएगा। योगी ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर में आयोजित तीन दिवसीय संगोष्ठी 'स्वस्थ पूर्वी उत्तरप्रदेश-एक पहल' की शुरुआत करते हुए कहा कि अगले वर्ष इस एम्स को जनता के लिए समर्पित कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''टीम भावना के साथ जब कार्य किया जाता है, तो उसके बेहतर परिणाम निश्चित रूप से परिलक्षित होते हैं। एम्स को भी इसी भाव के साथ कार्य करना होगा। एम्स से केवल गोरखपुर ही नहीं, बल्कि अन्य जिलों और राज्यों को भी फायदा होगा।'' इस अवसर पर योगी ने 'ई-आरोग्य ऐप'का उद्घाटन एवं स्मारिका का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि यह ऐप पंजीकरण, डिजिटल भुगतान, डिजिटल रिकॉर्ड आदि के लिए उपयोगी होगा। एम्स द्वारा 'स्वस्थ पूर्वी उत्तरप्रदेश -एक पहल' संगोष्ठी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि एम्स स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जाना जाता है। योगी ने पूर्वांचल में दशकों तक कहर ढाने वाली इंसफलाइटिस बीमारी का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने टीकाकरण के साथ ही विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाकर इंसेफलाइटिस को नियंत्रित करने के लिए अभियान चलाया।

किसान आंदोलन पर कोरोना का साया, सिंघु बॉर्डर पर तैनात 2 पुलिसकर्मी पॉजिटिव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ बड़ी संख्या में किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार को किसान आंदोलन का 16वां दिन है और बीते दिनों से किसान सरकार से कानूनों को रद्द किए जाने की मांग कर रहे हैं। किसान नेताओं और सरकार के मंत्रियों के बीच कम से कम पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। हालांकि, गृह मंत्री अमित शाह से बैठक के बाद किसानों को प्रस्ताव भेजा गया था, जिन्हें उन्होंने खारिज कर दिया। वहीं, दूसरी ओर किसान आंदोलन पर कोरोना वायरस का साया पड़ने लगा है। दरअसल, सिंघु बॉर्डर पर तैनात दो पुलिसकर्मी पॉजिटिव पाए गए हैं। किसानों ने ऐलान किया है कि उनका आंदोलन और तेज होने वाला है। आने वाले दिनों में वे देश में विरोध प्रदर्शन करेंगे और कई हाईवे को ब्लॉक करेंगे। किसानों के आंदोलन के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि सरकार किसानों से और बातचीत करने के लिए तैयार है। इसके

साथ ही, उन्होंने किसानों से आंदोलन को खत्म करने की अपील भी की है।

- किसान आंदोलन के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ट्वीट किया, मंत्रिमंडल के मेरे दो सहयोगी नरेंद्र सिंह तोमर जी और पीयूष गोयल जी ने नए कृषि कानूनों और किसानों की मांगों को लेकर विस्तार से बात की है। इसे जरूर सुनें।

मंत्रिमंडल के मेरे दो सहयोगी नरेंद्र सिंह तोमर जी और पीयूष गोयल जी ने नए कृषि कानूनों और किसानों की मांगों को लेकर विस्तार से बात की है।

- दिल्ली पुलिस ने बताया है कि किसान आंदोलन में लगे दो पुलिस कर्मी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा, एक डीसीपी और एक एडिशनल डीसीपी जोकि सिंघु बॉर्डर पर तैनात थे, वे दोनों कोरोना संक्रमित मिले हैं।

- केंद्र के तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन का आज 16वां दिन है। कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने गुरुवार को कहा था कि सरकार किसानों से फिर से बातचीत करने के लिए तैयार है।

- केंद्र सरकार के कानून में कुछ संशोधन करने, एमएसपी और मंडी व्यवस्था जैसे मुद्दों पर लिखित आश्वासन अथवा स्पष्टीकरण देने के प्रस्ताव को ठुकराते हुए किसान यूनियनें इन नए कानूनों को रद्द करने की मांग पर अड़ी हैं। खाद्य, रेलवे और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ संवाददाताओं को संबोधित करते हुए तोमर ने कहा कि वह अब भी वार्ता के जरिए समधान निकलने को लेकर आशान्वित हैं। कृषि मंत्री ने कहा, सरकार किसानों से आगे और वार्ता करने को इच्छुक और तैयार है.. उनकी आशंकाओं को दूर करने के लिए, हमने किसान यूनियनों को अपने प्रस्ताव भेजे हैं। हमारी उनसे अपील है कि वे जितना जल्द से जल्द संभव हो वार्ता की तिथि तय करें। अगर उनका कोई मुद्दा है, तो उस पर सरकार उनसे वार्ता को तैयार है।

हालांकि, गृह मंत्री अमित शाह से बैठक के बाद किसानों को प्रस्ताव भेजा गया था, जिन्हें उन्होंने खारिज कर दिया। वहीं, दूसरी ओर किसान आंदोलन पर कोरोना वायरस का साया पड़ने लगा है। दरअसल, सिंघु बॉर्डर पर तैनात दो पुलिसकर्मी पॉजिटिव पाए गए हैं। किसानों ने ऐलान किया है

पंचायत चुनाव से पहले योगी सरकार ने खोला खजाना

अलीगढ़। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले शासन ने सूबे की नवसृजित नगर पंचायतों के लिए खजाना खोल दिया है। सूबे की 55 नगर पंचायतों के लिए शासन ने 19.13 करोड़ रुपये के बजट की प्रथम किश्त जारी कर दी है। यह बजट नवसृजित नगर पंचायतों में सोलिड वेस्ट, एयर क्वालिटी इम्प्रूवमेंट, विकास व निर्माण कार्यों पर खर्च होगी। शासन द्वारा सूबे के 27 जिलों में बीते दिनों में 55 नई नगर पंचायतें नवसृजित की गई थी। वर्तमान में पंचायत चुनाव को लेकर चल रहे मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में इन नगर पंचायतों का क्षेत्र भी कट चुका है। प्रथम बार स्थानीय निकाय प्रभारी निदेशक रश्मि सिंह द्वारा 19 करोड़ 13 लाख 53 हजार रुपये का बजट जारी किया है। यह धनराशि वेतन-भत्ता, सफाई, स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, एयर क्वालिटी इम्प्रूवमेंट, विकास, सड़क, नाली, इंटरलॉकिंग, जल निकासी आदि का कार्य कराए जाएंगे।

अलीगढ़ की तीन नगर पंचायतों को मिले करीब 70 लाख-पंचम राज्य वित्त आयोग की धनराशि के अर्न्तगत जारी किए गए बजट में अलीगढ़ की तीन नवसृजित नगर पंचायतों के लिए करीब 70 लाख रुपये का बजट जारी किया गया है। इसमें मड़राक के लिए 36.95 लाख, पिसावा को 14.67 लाख, चंडौस के लिए 18.63 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

इन जिलों की नवसृजित नगर पंचायतों के लिए जारी हुआ बजट-अलीगढ़, बदायूं, फर्रुखाबाद, फिरोजाबाद, मैनपुरी, पीलीभीत, रामपुर, सहारनपुर, शाहजहांपुर, कानपुर देहात, खीरी, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बस्ती, जौनपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, मऊ, प्रतापगढ़, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, सुल्तानपुर, वाराणसी, जालौन, लखनऊ, गोरखपुर, कौशाम्बी। अलीगढ़ के डीएम चन्द्रभूषण सिंह ने बताया कि शासन द्वारा सूबे की नवसृजित नगर पंचायतों के लिए 19.13 करोड़ रुपये का बजट जारी किया गया है। इसमें अलीगढ़ की नई नगर पंचायतों मडराक, पिसावा व चंडौसी के लिए करीब 70 लाख रुपये मिले हैं। इस बजट से क्षेत्र में विकास कार्य कराए जाएंगे।

EDMC कार्निवल, मेला व सिनेमा हॉल से सौ से 500 गुना टैक्स वसूलने की तैयारी में

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने अपने अधिकार क्षेत्र में लगने वाले आनंदोत्सव (कार्निवाल) मेलों के आयोजन पर करीब पांच सौ गुना और सिनेमा हॉल, सर्कस, वैरायटी शो और खेल तमाशा आयोजन पर 100 गुना टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है। अब तक उक्त आनंदोत्सव, मेले, सिनेमा हॉल, सर्कस पर प्रति एक शो के लिए दस रुपये टैक्स लिया जाता रहा है, लेकिन अब एक हजार रुपये से पांच हजार रुपये प्रति शो के हिसाब से टैक्स वसूलने की तैयार कर रहा है।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम की अतिरिक्त आयुक्त अल्का शर्मा ने पूर्वी निगम का वर्ष 2020-21 के संशोधित बजट अनुमान तथा वर्ष 2021-22 के बजट

अनुमानों पर बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि निगम की मौजूदा आर्थिक स्थित को देखते हुए करों की दरों में परिवर्तन किया जा रहा है जो वर्तमान समय के हिसाब से बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि नये बजट प्रस्ताव के मुताबिक पूर्वी निगम के किसी भी क्षेत्र में लगने वाले कार्निवाल और मेलों के आयोजन पर पांच हजार रुपये प्रति शो का टैक्स देने का प्रस्ताव रखा गया है। पहले यह टैक्स दस रुपये प्रति शो के हिसाब से लिया जाता रहा है। इसी तरह निगम के अधिकार क्षेत्रो में चलने वाले सिनेमा हॉल,वीपीआर सर्कल, ड्रामा, तमाशा आदि के शो आयोजित करने पर दस रुपये प्रति शो टैक्स लेने के बजाय पर एक हजार रुपये प्रति शो के हिसाब से टैक्स वसूल किए जाने का प्रस्ताव है।

इस संबंध में पूर्वी निगम के उप-लेखा नियंत्रक अधिकारी पीडी हरी प्रसाद का कहना है कि दस रुपये का टैक्स पिछले 25 सालों से चला आ रहा है। वर्तमान में टैक्स की यह दरें बेहद कम हैं। इसलिए टैक्सों की इन दरों में इजाफा करते हुए नये दरों को लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है।

अमेरिका में जल्द शुरू होगा फाइजर वैक्सीन का आपातकालीन इस्तेमाल, FDA ने दी मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिका में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों पर रोक लगाने के लिए जल्द ही वैक्सीन का आपातकालीन उपयोग शुरू किया जा सकता है। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने गुरुवार को फाइजर-बायोटेक कोविड-19 वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग अपनी मंजूरी दे दी है। एफडीए के इस पैनल में वैक्सीन सलाहकार, वैज्ञानिक, संक्रामक रोग डॉक्टर और सांख्यिकीविद शामिल थे। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबकि पैनल में इस बात पर सहमति बनी की वैक्सीन का 16 से ज्यादा उम्र के लोगों पर आपातकालीन उपयोग शुरू किया जाए। बता दें कि बुधवार को देश में कोरोना के कारण सबसे ज्यादा तीन हजार से भी अधिक मौतें दर्ज की गई थीं। अब वैक्सीन को मंजूरी मिलने के बाद देश में कोरोना स्थिति पर काबू पाया जा सकेगा। गुरुवार

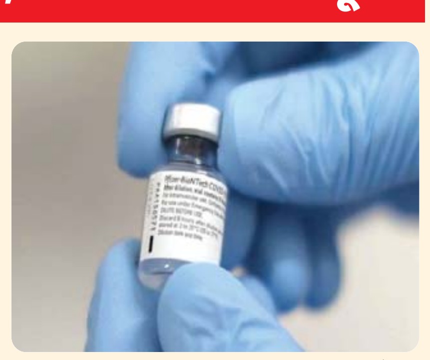

को आठ घंटे की जनसुनवाई के बाद एफडीए पैनल में मौजूद सदस्यों ने फाइजर और उसके जर्मन साथी बायोएनटेक द्वारा विकसित वैक्सीन के उपयोग के समर्थन में वोट दिया। अब उम्मीद जताई जा रही है कि ब्रिटेन के बाद अमेरिका भी फाइजर वैक्सीन के टीके को जल्द मंजूदी दे देगा।

बच्चा गोद लेने के लिए पत्नी की सहमति जरूरी- इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि यदि कोई हिंदू पुरुष किसी बच्चे को गोद लेना चाहता है तो इसके लिए उसकी पत्नी की सहमति जरूरी है। यदि वह अपनी पत्नी से अलग रह रहा और तलाक नहीं दिया है तब भी अलग रहने वाली पत्नी की मंजूरी जरूरी है। ऐसा न होने पर वैध दत्तक ग्रहक नहीं माना जा सकता है। यह निर्णय न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने मऊ के

भानु प्रताप सिंह की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। वन विभाग में रहे याची के चाचा राजेंद्र सिंह की सेवाकाल में मृत्यु हो गई। तो याची ने यह कहते हुए अनुकंपा कोटे में नियुक्ति की मांग की कि उसके चाचा ने उसे गोद लिया था। उनका अपनी पत्नी फूलमनी से संबंध विच्छेद हो गया था लेकिन दोनों ने तलाक नहीं लिया था। दोनों अलग रहते थे और उनके कोई संतान नहीं थीवइसलिए चाचा ने उसे गोद ले लिया। वन विभाग ने याची का प्रत्यावेदन खारिज कर दिया तो उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। कोर्ट ने कहा है कि याची का दत्तक ग्रहण वैध तरीके से नहीं हुआ है क्योंकि हिंदू दत्तक ग्रहण कानून के अनुसार संतान को गोद लेने के लिए पत्नी की सहमति आवश्यक है यदि पत्नी जीवित नहीं है या किसी सक्षम न्यायालय ने उसे मानसिक रूप से अस्वस्थ घोषित कर दिया है।, इसके अलावा उस स्थिति में पत्नी के जीवित रहते उसकी मंजूरी के बिना दत्तक ग्रहण वैध नहीं कहा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याची की चाची उसके चाचा से भले ही अलग रहती थी लेकिन उनका तलाक नहीं हुआ था इसलिए उनकी मंजूरी के बिना उसका दत्तक ग्रहण अवैध है।

कोरोना का भयावह असर, नहीं लिया फोलोअप तो 40 फीसदी मरीजों का कैंसर तीसरे स्टेज तक फैला

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बड़ी संख्या में कैंसर के ऐसे मरीज अब अस्पताल पहुंच रहे हैं जिन्होंने कोरोना काल में फोलोअप नहीं कराया था। दिल्ली स्थित एम्स, सफदरजंग और अपोलो जैसे अस्पतालों में कई ऐसे मरीज हाल ही में पहुंचे हैं जिन्हें पहले कैंसर पहली स्टेज में था लेकिन रेडिएशन थेरेपी के अभाव में और समय पर फोलोअप न कराने जी वजह से यह तीसरी स्टेज तक पहुंच गया है। कोरोना में कुछ लोगों ने डर की वजह से अस्पताल जाने में देरी की वहीं कुछ लोगों को समय पर इलाज ही नहीं मिल सका।

रेडियोथेरेपी न कराई तो सर्जरी के बावजूद अन्य अंगों तक फैल गया ब्रेस्ट कैंसर

पश्चिमी दिल्ली निवासी 33 वर्षीय स्नेहा की फरवरी में स्तन कैंसर की सर्जरी हुई थी। सर्जरी के बाद उन्हें रेडिएशन थेरेपी की सलाह दी गई थी ताकि कैंसर दोबारा न उभरे। वे कोरोना के समय 6 महीने तक इसे टालती रहीं, अब पिछले महीने जब वे अस्पताल पहुंचीं तो उनका स्तन का कैंसर न सिर्फ दोबारा उभर गया था बल्कि शरीर के दूसरे अंगों तक फैल गया था। अब उन्हें दोबारा सर्जरी करानी पड़ेगी और कैंसर कोशिकाओं को पूरी तरह हटाने में लंबा समय लगेगा।

सारकोमा कैंसर के फैलने की वजह से पैर काटना पड़ेगा

53 वर्षीय शकुंतला को जनवरी में सारकोमा कैंसर होने का पता चला। वह एम्स में इलाज करा रही थीं। लॉकडाउन की वजह से वह बिहार के मुजफ्फरपुर के गांव में लौट गईं। इस वजह से वह फोलोअप भी नहीं करा सकीं। जब वे 23 नवम्बर को एम्स में दिखाने के लिए गईं तो डॉक्टर ने जांच रिपोर्ट देखकर कहा कि कैंसर के जगहों तक फैल चुका है। यह पैर की कई हड्डियों तक पहुंच गया है। एम्स के सारकोमा विशेषज्ञ डॉक्टर समीर रस्तोगी ने बताया कि समय पर इलाज न मिलने की वजह से उनका कैंसर फैल गया। अगर वह समय पर फोलोअप कराती तो यह ठीक हो सकता है। संभव है महिला का पैर काटना पड़ जाए। डॉक्टर समीर ने कहा कि ऐसे कई मरीज अब तीसरी स्टेज के कैंसर के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं जिन्होनें समय पर फोलोअप नहीं कराया था।

40 प्रतिशत मरीजों का कैंसर तीसरे स्टेज तक फैला

सरिता विहार स्थित अपोलो अस्पताल के डॉक्टर एस एम शोएब जैदी ने बताया कि उनके यहां आने वाले लगभग 40 फीसदी मरीजों ने समय पर फोलोअप नहीं कराया था। इस वजह से कैंसर तीसरी स्टेज तक पहुंच गया। तीसरी स्टेज के कैंसर से पीड़ित अधिकतर मरीज ऐसे थे हैं जिनकी उम्र 60 साल से अधिक है और इनमें अधिकतर बुजुर्ग मरीज कोरोना के ड़र की वजह से समय पर फोलोअप के लिए अस्पताल नहीं आये थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

गलत बयानी

देश कोई भी हो, नेताओं में सजग नेतृत्व और उसके प्रति जिम्मेदारी का एहसास सबसे जरूरी है। लोकतांत्रिक देशों में तो यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि नेता जो भी बोलें, संभलकर बोलें। जब कोई दिग्गज नेता बोल रहा होता है, तब लोग दरअसल उसे इतिहास में दर्ज कर रहे होते हैं। मिसाल के लिए, ब्रिटेन की संसद में बुधवार को जब भारत में चल रहे किसान आंदोलन का मुद्दा उठा, तब ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के जवाब ने सबको अचरज में डाल दिया। शायद उन्हें पता ही नहीं था कि लेबर पार्टी के ब्रिटिश सिख सांसद तनमनजीत सिंह धेसी ने क्या मुद्दा उठाया है। एक सामान्य नेता को भी संसद जैसी जगह पर हर पल सचेत रहना चाहिए, खासकर प्रधानमंत्री को तो और भी सावधानी से सबकी बात पर गौर करना चाहिए। ब्रिटिश सांसद ने भारत में चल रहे विरोध प्रदर्शन पर सवाल पूछा, लेकिन जॉनसन ने जवाब दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी विवाद का हल द्विपक्षीय बातचीत से हो सकता है। जॉनसन से हुई यह गलती तत्काल चर्चा का विषय बनी और दुनिया ने देखा कि एक लोकतांत्रिक देश के चुने हुए नेता भी संसद में भी कितनी उदासीनता के साथ मौजूद रहते हैं। अव्वल तो इससे यह भी पता चलता है कि भारत के संबंध में ब्रिटिश नेताओं को कितनी कम जानकारी है। ब्रिटिश सांसद का सवाल तो खैर गलत था ही, ब्रिटिश प्रधानमंत्री भी सचेत नहीं थे। उन्हें भारत जैसे लोकतांत्रिक और सेकुलर देश के बारे में बात करते हुए पूरी सावधानी से चर्चा करनी चाहिए थी। लेकिन किसान आंदोलन को सिर्फ सिखों का मामला समझ लेना और ब्रिटिश सिखों की ओर से चिंता या सवाल का इजहार करना कतई प्रशंसनीय नहीं है। भारत में किसान आंदोलन को केवल सिखों का आंदोलन कैसे माना जा सकता है? सिर्फ सिखों के प्रति चिंता का इजहार कैसी राजनीति है? यह हमारे लिए चिंता का समय है, जब दुनिया में अनेक नेता किसी मामले को पूरा जाने बगैर बयान देने की जल्दबाजी दिखाने लगे हैं। ऐसी ही जल्दबाजी कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडेव ने भी दिखाई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तो अपने बयानों के लिए खासे चर्चित रहे हैं। जो भी मन में आए, बोल देने और कथनी-करनी में भेद रखकर चलने की रियायत किसी भी तंत्र के लिए खतरनाक है। पूरी जानकारी न रखने वाले नेताओं में भी बढ़ता बड़बोलापन शर्मनाक है। आए दिन ऐसे बयान आते हैं कि बयानबाज नेता की सामान्य बुद्धि पर भी संदेह होता है। पहले माना जाता था कि विपक्ष के नेता आलोचना में कुछ भी बोल सकते हैं, लेकिन अब सत्ता पक्ष की ओर से भी तथ्य-तर्क से परे बयानबाजी आम हो गई है। सत्ता पक्ष का ही एक हिस्सा नरमी की बात करता है, तो दूसरा आग में घी डालने में कसर नहीं छोड़ता। नेता ऐसा करते हुए राजनीति और जनमानस, दोनों को भटकाते हैं। एक ओर, कहा जाता है, किसान देश में कहीं भी अनाज बेच सकता है, तो दूसरी ओर से यह बयान आता है कि दूसरे राज्यों के किसान आए, तो खैर नहीं। राजनीति में ऐसी उदासीनता, लापरवाही, जमीनी अध्ययन और तैयारी की कमी देश या समाज ही नहीं, स्वयं राजनीतिक बिरादरी की सेहत के लिए नुकसानदायक है। लोग यही चाहेंगे कि उनके नेतृत्वकर्ता पर्याप्त जानकारी के बाद ही किसी मुद्दे पर मुंह खोलें।

आज के ट्वीट

ध्यान

जब हमारा सारा ध्यान जीवन और आजीविका बचाने पर था तब भाजपा नेताओं के लिये राजनीति जरूरी थी।

-- मु. अशोक गहलोत

पटरी पर लौटती अर्थव्यवस्था को संबल जरूरी

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों देश और दुनिया के आर्थिक संगठनों द्वारा प्रकाशित रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि कोविड-19 की चुनौतियों से घिरी भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से पटरी पर लौट रही है। हाल ही में 9 दिसंबर को प्रसिद्ध वैश्विक ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने अपनी अध्ययन रिपोर्ट में कहा है कि भारत में चक्रीय आर्थिक सुधार ऊंचाई पर है, परिणामस्वरूप वर्ष 2021 में भारत की विकास दर 9.9 प्रतिशत होगी। चीन की विकास दर नौ प्रतिशत और सिंगापुर की विकास दर 7.5 प्रतिशत होगी। ऐसे में भारत एशिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसी प्रकार 8 दिसंबर को वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2020-21 में भारत की अर्थव्यवस्था में दूसरी छमाही में उम्मीद से तेज सुधार की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। इस वजह से चालू वित्त वर्ष में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में संकुचन का आकार 9.4 फीसदी रह सकता है, जबकि पहले 10.5 फीसदी संकुचन का अनुमान लगाया गया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आगामी वित्त वर्ष में भारत की विकास दर तेजी से बढ़ती हुई दिखाई देगी। गौरतलब है कि सरकार द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर, 2020 में देश की अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार हुआ है और जीडीपी में गिरावट पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के करीब 23.9 फीसदी की तुलना में सुधरकर 7.5 फीसदी रह गई है। जीडीपी में गिरावट की खाई को पाटने में विनिर्माण क्षेत्र ने बड़ा सहारा दिया है। पहली तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में 39.3 फीसदी की गिरावट आई थी, जबकि दूसरी तिमाही में इसमें 0.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। खासतौर से कृषि एवं सहायक गतिविधियों की विकास दर दूसरी तिमाही के दौरान आशाजनक रही है। खरीफ उत्पादन से संबंधित सितंबर 2020 में जारी हुए अनुमान के मुताबिक वर्ष 2020-21 में कृषि उत्पादन बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। वर्ष 2020-21 में खाद्यान्न उत्पादन 14.45 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर छूने का अनुमान है, जो कि पिछले वर्ष 2019-20 के उत्पादन से 0.80 फीसदी अधिक है। दलहन उत्पादन करीब 93.1 लाख टन अनुमानित है, जो कि 2019-20 की तुलना में करीब 21 फीसदी अधिक है। इसी तरह तिलहन का उत्पादन 2.57 करोड़ टन अनुमानित है, जो कि 2019-20 की तुलना में 15.28 फीसदी अधिक है। लेकिन वित्तीय वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में सेवा क्षेत्र में गिरावट का रुख जारी रहा। खासतौर से व्यापार, होटल, परिवहन और संचार क्षेत्र की गतिविधियों में 15.6 फीसदी की गिरावट आई है। अर्थव्यवस्था के आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों के तहत प्रमुख रूप से कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उद्योगों और इस्पात के उत्पादन में कमी के कारण अक्तूबर 2020 में बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 2.5 प्रतिशत की कमी आई है। यह लगातार आठवां महीना है, जब इन बुनियादी क्षेत्रों में गिरावट रही है। निश्चित रूप से वित्तीय वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही में जीडीपी में जो गिरावट करीब 7.5 प्रतिशत रही, वह इसलिए बेहतर माना जा रही है क्योंकि इससे पहले जीडीपी में 10 फीसदी से 15 फीसदी के दायरे में गिरावट का अनुमान लगाया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक जिस तरह दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था में सुधार की गति दिखाई दे रही है, उसके आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष 2020-21 की तीसरी तिमाही यानी अक्तूबर से दिसंबर में ही गिरावट के दौर से बाहर आ जाएगी और फिर विकास दर बढ़ने लगेगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि मार्च से अक्तूबर 2020 तक सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत दी गई विभिन्न राहतों से तेजी से गिरती हुई अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला है। साथ ही सरकार की ओर से जून 2020 के बाद अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खोलने की रणनीति के साथ राजकोषीय और नीतिगत कदमों का अर्थव्यवस्था पर अनुकूल असर पड़ा है। यद्यपि अभी देश महामारी से नहीं उबरा है, लेकिन अर्थव्यवस्था ने तेजी हासिल करने की क्षमता दिखाई है। यदि हम अप्रैल, 2020 से नवंबर, 2020 तक के विभिन्न औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र के आंकड़ों का मूल्यांकन करें तो यह पूरा परिदृश्य आशान्वित होने की नयी संभावनाएं देता है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि लॉकडाउन की चुनौतियों के बाद अब नवंबर, 2020 में देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर, बिजली सेक्टर, रेलवे माल ढुलाई सेक्टर में सुधार तेज हुआ है। सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मार्च 2020 से अब तक के आठ माह में पहली बार अक्तूबर, 2020 में एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा है। अक्तूबर, 2020 में 1.05 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह हुआ जो पिछले साल अक्तूबर के 95,379 करोड़ रुपये से करीब 10 फीसदी अधिक है। यह आकार कोविड से पहले फरवरी, 2020 में प्राप्त जीएसटी के लगभग बराबर है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि अक्तूबर, 2020 में प्रकाशित न्यूनतम एक करोड़ रुपये राजस्व वाली 470 सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय परिणामों से आभास मिल रहा है कि अब अर्थव्यवस्था में सुधार की शुरुआत हो चुकी है। दैनिक उपयोग की उपभोक्ता वस्तुओं, सूचना प्रौद्योगिकी, वाहन कलपुर्जा, फार्मा सेक्टर इस्पात और सीमेंट आदि क्षेत्रों का प्रदर्शन आशा से भी बेहतर रहा है। आईटी क्षेत्र की विभिन्न बड़ी कंपनियों की ओर से भी आशावादी अनुमान जारी हुए हैं। निर्यात बढ़ने की प्रवृत्ति के साथ-साथ शेयर बाजार में भी अच्छी बढ़त दर्ज की है। निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के लिए एक और आर्थिक पैकेज की जरूरत अनुभव की जा रही थी। ऐसे में हाल ही में 12 नवंबर को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत तीसरे आर्थिक पैकेज में अर्थव्यवस्था की सेहत सुधारने के लिए 2.65 लाख करोड़ रुपये की धनराशि खर्च करने का ऐलान किया है। नये तीसरे आर्थिक पैकेज में दो तरह की राहतें शामिल हैं। अब 27 नवंबर को प्रकाशित वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही के सुधार संबंधी आशाजनक आंकड़ों के बाद देश की अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के लिए अभी कई बातों पर ध्यान देना होगा। देश में विकास को गति देने के लिए सरकार द्वारा आर्थिक सुधारों के तहत स्वास्थ्य, श्रम, भूमि, कौशल और वित्तीय क्षेत्रों में घोषित किए गए सुधारों को आगे बढ़ाना होगा। कृषि क्षेत्र की विकास दर चार फीसदी से बढ़ाए जाने के हरसंभव प्रयास करने होंगे। कृषि एवं श्रम सुधारों से संबंधित नये कानूनों का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन किया जाना होगा। जीएसटी संबंधी रियायत देकर कारोबारी माहौल बेहतर बनाना होगा।

लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं।

ज्ञान गंगा

अहोभाव

जग्गी वासुदेव/ तुम उदास होते हो तो तुम्हें लगता है कि कुछ बुरा हुआ है। तब तुम उससे बचने की कोशिश करते हो। तुम इस कोशिश पर गौर नहीं करते। तब तुम किसी दूसरे के पास जाते हो- किसी पार्टी में, किसी क्लब में, या फिर टीवी या रेडियो चला देते हो, या अखबार पढ़ने लगते हो--कुछ भी, जिससे तुम इसे भुला सको। तुम्हें यह गलत दृष्टि दी गई है-कि उदासी गलत है। इसमें कुछ बुरा नहीं है। यह जीवन का दूसरा छोर है। प्रसन्नता एक छोर है, उदासी दूसरा। आनंद एक छोर है, दुख दूसरा। जीवन दोनों से मिलकर बना है, और जीवन एक क्रियाकलाप है इन दोनों के कारण। आनंदपूर्ण जीवन का केवल विस्तार होगा, उसमें गहराई नहीं होगी। केवल उदासी के जीवन में गहराई होगी, विस्तार नहीं। उदास और आनंदपूर्ण जीवन बहुआयामी होता है; यह सभी दिशाओं में एक साथ चलता है। बुद्ध की प्रतिमा को ध्यान से देखो या कभी मेरी आंखों में देखो, तुम दोनों को एक साथ पाओगे-आनंद, शांति, और उदासी भी। तुम ऐसा आनंद पाओगे जिसमें उदासी भी है, क्योंकि वह उदासी तुम्हें गहराई देती है। बुद्ध की प्रतिमा को देखो-आनंदपूर्ण, लेकिन फिर भी उदास। मात्र 'उदास' शब्द ही तुम्हें गलत अर्थ देता है-कि कुछ गलत है। यह तुम्हारी धारणा है। मेरे लिए जीवन अपनी समग्रता में ही शुभ है। और जब तुम जीवन को अपनी समग्रता में समझ लेते हो, तभी तुम उसका उत्सव मना सकते हो; नहीं तो यह असंभव है। उत्सव का अर्थ होता है-जो भी होता है वह गौण है-मैं तो उत्सव मनाऊंगा। उत्सव किन्हीं विशेष बातों पर निर्भर नहीं है-'कि मैं खुश हूं, इसलिए उत्सव मनाऊंगा' या 'जब मैं अप्रसन्न होऊंगा उत्सव नहीं मनाऊंगा'। यह उदासी लाता है-शुभ है, मैं इसका उत्सव मनाता हूं। यह प्रसन्नता लाता है-शुभ है, मैं इसका जश्न मनाता हूं। उत्सव ही मेरा नजरिया है, फिर जीवन भले ही कुछ भी लाए। परंतु एक समस्या खड़ी हो जाती है क्योंकि मैं जब भी शब्दों का प्रयोग करता हूं, उन शब्दों के अर्थ तुम्हारे चित्त पर हैं। जब मैं कहता हूं, 'उत्सव मनाओ' तो इसका अर्थ खुश होना है, जब कोई उदास है तो उत्सव कैसे मना सकता है? मैं यह नहीं कह रहा कि उत्सव मनाने के लिए खुश होना आवश्यक है। उत्सव का अर्थ है जीवन ने हमें जो भी दिया है उसके प्रति अहोभाव। अस्तित्व हमें जो भी दे, उत्सव उसके प्रति धन्यवाद का भाव है, अहोभाव है।

आज का राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

ज्ञान के साथ करोड़ों बांटने वाला शिक्षक

अरुण नैथानी

रचनात्मक मुहिम के जरिये शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करने के लिये दुनिया के 140 देशों के शिक्षकों में जिन बारह हजार को चुना गया, उनमें हीरा अपने भारत का निकला। हाल ही में यूनेस्को और लंदन के वार्की फाउंडेशन द्वारा दिया जाने वाला प्रतिष्ठित 'ग्लोबल टीचर प्राइज' जीता महाराष्ट्र के रणजीत सिंह डिसले ने। सबसे बड़ी बात यह कि इस बड़े दिल के शिक्षक ने सात करोड़ रुपये के इस पुरस्कार की आधी राशि दुनिया के उन शिक्षकों में बांट दी जो कि शीर्ष दस में चुने गये थे। आज के दौर में जब लोग चंद रुपये के लिये अपनों को ही नहीं बख्शते, साढ़े तीन करोड़ की राशि ऐसे लोगों में बांटना, जिन्हें वे जानते भी नहीं थे, बहुत बड़ी बात है। कितना बड़ा दिल है इस इनसान का। गुरुओं की भूमि भारत में किसी शिक्षक को शिक्षा जगत का नोबेल सरीखा पुरस्कार पहली बार मिला है। वह भी एक दूरदराज के अभावग्रस्त इलाके में बच्चियों के जीवन बदलने में लगे शिक्षक को। डिसले की बड़ी सोच पर गर्व होता है। ऐसा नहीं है कि भावावेश में आकर रणजीत ने शिक्षकों में पुरस्कार की जीती रकम बांटने की घोषणा की। उन्होंने पहले ही मन बना लिया था कि यदि पुरस्कार मिला तो ऐसा करूंगा। उनका कहना था, 'यदि मैं यह सारी राशि खुद ले लेता तो उचित नहीं होता। सभी ने शिक्षा जगत में बदलाव के लिये अभिनव पहल की है। शिक्षक 'इनकम' के लिये नहीं, 'आउटकम' के लिये काम करते हैं। हमारे साझा प्रयास ही समाज की दिशा-दशा बदल सकते हैं।' निस्संदेह रंजीत ने पूरी दुनिया के शिक्षकों को आत्ममंथन का मौका दिया कि भारत में शिक्षकों को देवताओं सरीखा सम्मान क्यों दिया जाता था। सात करोड़ रुपये का 'ग्लोबल टीचर प्राइज' जीतने वाले शिक्षक रणजीत सिंह डिसले की अप्रत्याशित सफलता एक निष्कर्ष यह भी देती है कि कभी बुराई भी अच्छाई की राह खोल देती है। मेधावी रणजीत का इंजीनियरिंग के लिये चयन हुआ, लेकिन रैगिंग के भय से उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। फिर उनके पिता ने शिक्षक बनने के लिये प्रेरित किया। शायद यदि राजेंद्र को बुरे छात्र न मिलते तो वह एक साधारण इंजीनियर बनकर भीड़ में खो जाते। फिर न पिछड़े इलाके की हजारों बच्चियों के जीवन में बदलाव आता और न ही इस प्रतिष्ठित सम्मान से भारत की गरिमा को यह लाभ मिलता। महाराष्ट्र के सोलापुर जनपद स्थित दो हजार से कम आबादी वाले गांव परीतवाड़ी में जिला परिषद के प्राइमरी स्कूल में शिक्षक रणजीत सिंह की उम्र सिर्फ 32 साल है, लेकिन उपलब्धियां बहुत बड़ी हैं। उनका लक्ष्य है कि हर बच्चे को उसका शिक्षा का जन्मसिद्ध अधिकार मिलना चाहिए। उनका मानना है कि शिक्षक का धर्म हमेशा देना और बांटना ही है। रणजीत ने इस पिछड़े इलाके में लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया ताकि वे स्कूल आ सकें और बाल विवाह की कुरीति का शिकार न हों। उन्होंने उनकी पढ़ाई के साथ जीवन के नजरिये को बदलने का भी प्रयास किया। इसके साथ ही रणजीत इस कोरोना संकट के दौर में 83 देशों के बच्चों को ऑनलाइन विज्ञान की शिक्षा देते हैं। वे एक ऐसी अंतर्राष्ट्रीय परियोजना का हिस्सा हैं, जिसका मकसद है कि संघर्षशील व अशांत इलाकों के युवा शिक्षा के अभियान से जुड़ें। निस्संदेह विषम परिस्थितियों व कोरोना काल में शिक्षकों की बड़ी भूमिका बन गई है। यही वजह है कि रणजीत ने इटली, अमेरिका, ब्राजील, वियतनाम, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, दक्षिण कोरिया व ब्रिटेन के उपविजेताओं को करीब 39-39 लाख रुपये की पुरस्कार राशि बांटी ताकि वे शिक्षा के महायज्ञ में उत्साह के साथ योगदान देते रहें। दरअसल, रणजीत की मुहिम छात्र-छात्राओं की उस मौलिक प्रतिभा का विकास करना है जो परंपरागत शिक्षा की विसंगतियों के चलते दबकर रह जाती है। शिक्षक के रूप में प्रशिक्षित होकर जब रणजीत सिंह एक दशक पूर्व सूखाग्रस्त परीतवाड़ी की प्राथमिक पाठशाला में आये तो टूटी-फूटी इमारत में करीब सवा सौ छात्र-छात्राएं चंद शिक्षकों द्वारा पढ़ाये जा रहे थे। शिक्षा में बदलाव के लिये अभिनव प्रयोग के पक्षधर रणजीत ने लड़कियों की शिक्षा पर बल दिया। उन्होंने क्विक रिस्पांस यानी क्यू आर कोड वाली पुस्तकों के जरिये पढ़ाई की शुरुआत की। जो कालांतर जनपद, राज्य और फिर पूरे देश में प्रयोग की गई। शिक्षा की इस आधुनिक तकनीक के जरिये विद्यार्थी क्यू आर कोड स्कैन कर ऑडियो-वीडियो के जरिये व्याख्यान, कहानी व शिक्षा से जुड़े प्रोजेक्ट देख सकते थे। जब शिक्षा को मनोरंजक और रोचक बनाया गया तो स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। स्कूल को जनपद के सर्वश्रेष्ठ स्कूल के रूप में चुना गया।

फिर शुरू हुई पुरस्कारों की श्रृंखला। उन्हें माइक्रोसॉफ्ट ने 'इनोवेटिव एजुकेटर एक्सपर्ट' पुरस्कार दिया। कालांतर वर्ष 2018 का सर्वश्रेष्ठ नवप्रवर्तक पुरस्कार भी दिया गया। उन्होंने अभावग्रस्त इलाकों में शिक्षा की तस्वीर बदलने वाले शिक्षक के रूप में पहचान बनायी। जब ऑनलाइन समारोह में अभिनेता स्टीफन फाई ने ग्लोबल टीचर पुरस्कार की घोषणा की तो जिस तरह की अभिव्यक्ति राजेंद्र ने मां-बाप को गले लगाकर दी, उसने हर संवेदनशील भारतीय की आंख भावातिरेक से गीली कर दी।

प्रस्तावित कीटनाशक विधेयक से कीटनाशक हो सकते हैं महंगे: सीसीएफआई

नई दिल्ली: कृषि रसायन कंपनियों के संगठन क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीसीएफआई) ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित कीटनाशक प्रबंधन विधेयक की वजह से देश में कीटनाशकों की जबरदस्त कमी हो जाएगी और जरूरी वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ेंगे। सीसीएफआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''प्रस्तावित कीटनाशक प्रबंधन विधेयक 2020 के कृषि क्षेत्र पर दूरगामी प्रभाव होंगे और इसका किसानों की आय पर बुरा असर पड़ेगा। विधेयक की वजह से कीटनाशकों की जबरदस्त कमी हो जाएगी और जरूरी वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ेंगे। इस विधेयक को मार्च 2020 में राज्यसभा में पेश किया गया था और संसद के अगले सत्र में इसे पारित करने के लिए फिर से प्रस्तुत किया जा सकता है। यह विधेयक मौजूदा कीटनाशक अधिनियम 1968 की जगह लेगा, जो कीटनाशकों के आयात, विनिर्माण, बिक्री, वितरण और उपयोग को विनियमित करता है। सीसीएफआई के अध्यक्ष (तकनीकी समिति) अजीत कुमार ने कहा कि प्रस्तावि विधेयक की धारा 23 के तहत 1968 अनिनियम के तहत पंजीकृत कीटनाशकों को दोबारा पंजीकरण कराना होगा और साथ ही पंजीकरण के संबंध में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की गई है।

शहद मिलावट: CCPA का खाद्य नियामक को उचित कार्रवाई करने का निर्देश

नई दिल्ली: केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से कुछ ब्रांडेड शहद में मिलावट को लेकर उचित कार्रवई करने का निर्देश दिया है। साथ ही वर्गीकृत कार्रवाइ करने के लिए जांच में सहयोग की भी पेशकश की है। पिछले हफ्ते पर्यावरण संबंधी गतिविधियों पर निगरानी रखने वाली एक संस्था सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) ने दावा किया था कि भारत में बेचे जा रहे कई ब्रांडेड शहद में चीनी की मिलावट पाई गई है। हालांकि कंपनियों ने इन दावों को खारिज कर दिया। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर शहद में मिलावट की खबरों पर चिंता व्यक्त की है। मंत्रालय ने कहा कि विभाग को खबर मिली है कि बाजार में बेचे जा रहे अधिकतर ब्रांडेड शहद में चीनी की मिलावट है। यह गंभीर मसला है और कोविड-19 महामारी के दौर में लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर सकता है। यह कोविड-19 को लेकर जोखिम को बढ़ाने वाला है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सीसीपीए को मामले में दखल देने का निर्देश दिया है। सीसीपीए ने मामले में एफएसएसएआई को उचित कार्रवाई करने के लिए कहा है। सीएसई ने 13 शीर्ष ब्रांड के साथ-साथ कई छोटे ब्रांड के प्रसंस्कृत और कच्चे शहद में शुद्धता की जांच की। सीएसई ने पाया कि 77 प्रतिशत नमूनों में चीनी की मिलावट पाई गई। परीक्षण किए गए 22 नमूनों में से मात्र पांच ही सभी तरह के परीक्षणों में खरे उतरे।

किसान आंदोलन में नाम उछलने पर अडानी समूह की सफाई- हम किसानों से नहीं खरीदते अनाज

बिजनेस डेस्क:

केंद्र सरकार की ओर से लाए गए नए कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसानों के आंदोलन में अपना नाम उछलने पर अडानी समूह ने सफाई दी है। समूह ने साफ किया है कि हम किसानों से न तो अनाज खरीदते हैं और न ही अनाज की कीमत तय करते हैं। समूह ने कहा कि हम केवल भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के लिए अनाज भंडारण कक्ष तैयार करते हैं और उसका संचालन करते हैं। अडानी समूह ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर जारी एक बयान में कहा, %कंपनी की भंडारण क्षमता निर्धारित करने में और अनाज का दाम तय करने में कोई भूमिका नहीं है। कंपनी एफसीआई के लिए केवल एर सेवा/इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदाता है।

एफसीआई किसानों से खरीदता है अनाज

बता दें कि एफसीआई किसानों से अनाज खरीदता है और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से बने भंडारण कक्षों में उन्हें स्टोर करता है। इस प्रक्रिया में शामिल निजी भागीदारों को खाद्यान्न भंडारण कक्ष (सिलोज) बनाने के लिए और अनाज स्टोर करने के लिए एक शुल्क का भुगतान किया जाता है। वहीं कमोडिटी के स्वामित्व के साथ-साथ इसके विपणन और वितरण अधिकार, एफसीआई के पास रहते हैं। अडानी समूह ने कहा कि एफसीआई सार्वजनिक वितरण व्यवस्था के लिए अनाज की खरीद और परिवहन को नियंत्रित करता है।

किसानों का आरोप- कृषि कानून अंबानी और अडानी के फायदे के लिए

उल्लेखनीय है कि अडानी समूह की ओर से यह बयान तब जारी किया गया है जब तीन कृषि सुधान कानूनों के विरोध में आंदोलन कर रहे किसानों ने आरोप लगाया कि ये कानून अंबानी और अडानी के फायदे के लिए लाए गए हैं। कुछ किसान संगठनों ने आरोप लगाया है कि अडानी समूह अनाज जमा करने और बाद में उसे ऊंची कीमत पर बेचने के लिए भंडारण कक्षों का निर्माण कर रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 579 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई: देश का विदेशी मुद्रा भंडार 04 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 4.53 अरब डॉलर बढ़कर 579.35 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 27 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा का देश का भंडार 46.9 करोड़ डॉलर घटकर 574.82 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक द्वारा आज यहां जारी आंकड़ों के अनुसार, 04 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.93 अरब डॉलर बढ़कर 537.39 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान स्वर्ण भंडार भी 53.5 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 35.73 अरब डॉलर पर रहा। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 4.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.73 अरब डॉलर पर और विशेष आहरण अधिकार 1.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 1.51 अरब डॉलर दर्ज किया गया।

सेबी ने अनधिकृत निवेश सलाह देने के लिए प्रॉफिट माउंट, राइट टार्गेट पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली:

शेयर बाजार नियामक सेबी ने प्रॉफिट माउंट एडवाइजरी सर्विस और राइट टारगेट एडवाइजरी सर्विस को निवेशकों को अनधिकृत निवेश सलाह देने का दोषी पाया है और दोनों संस्थाओं पर पूंजी बाजारों में कामकाज करने से प्रतिबंध लगाया है। सेबी ने प्रॉफिट माउंट के संचालकों और राइट टारगेट के साझेदारों को भी पूंजी बाजार में किसी गतिविधि से रोक दिया है। इसके अलावा उन्हें अगले आदेश तक निवेश सलाह सेवाओं से भी प्रतिबंधित किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को शिकायत मिली थी कि प्रॉफिट माउंट और राइट टारगेट अपंजीकृत संस्थाएं हैं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। सेबी ने अपनी जांच में पाया कि तमिलनाडु स्थित दोनों संस्थाएं बिना जरूरी पंजीकरण के निवेश सलाह, शेयर टिप्स दे रही थीं और प्रतिभूति बाजार में सौदा करने के लिए निवेशकों को प्रेरित कर रही थीं।

पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट के आज से लागू हुए नए नियम, मिनिमम बैलेंस न होने पर रोजाना कटेंगे 100 रुपए

बिजनेस डेस्क:

अगर आपका भी सेविंग अकाउंट पोस्ट ऑफिस में है, तो ये खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। आज से पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट में मिनिमम बैलेंस बनाए रखने से जुड़ा नियम बदल गया है। अब ग्राहकों को सेविंग अकाउंट में मिनिमम बैलेंस 500 रुपए बनाए रखना अनिवार्य होगा। अगर आप ऐसा नहीं करते तो 100 रुपए रोजाना शुल्क काटा जाएगा और शेष राशि जीरो हो जाएगी, जिससे आपका खाता भी बंद हो सकता है। इंडिया पोस्ट ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी। ट्वीट में बताया गया कि नए नियम के तहत ग्राहकों को पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट में 11 दिसंबर तक 500 रुपए का मिनिमम बैलेंस रखना जरूरी होगा। अगर 12 दिसंबर को ग्राहकों के खाते में मिनिमम बैंलेस नहीं होगा तो आपको मेंटेनेंस चार्ज देना होगा।

सेविंग्स अकाउंट पर सालाना मिलता है 4फीसदी ब्याज

इंडिया पोस्ट की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, पोस्ट ऑफिस सेविंग स अकाउंट पर सालाना ब्याज दर 4 फीसदी है। ब्याज का कैलकुलेशन महीने की 10वीं तारीख और

महीने के आखिर के बीच मिनिमम बैलेंस राशि के आधार पर किया जाता है। ग्राहक इसे अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी नजदीकी पोस्ट ऑफिस से खुलवा सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस में खाता खोलने के नियम

पोस्ट ऑफिस के बचत खाते को एक अकेला वयस्क या संयुक्त रूप से दो वयस्कों या एक नाबालिग की ओर से एक अभिभावक की तरफ से खोला जा सकता है। 10 साल से ऊपर के नाबालिग द्वारा अकाउंट खोला जा सकता है। एक व्यक्ति द्वारा सिर्फ एक पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट (डाकघर बचत खाता) खोला जा सकता है। साथ ही, नाबालिग या बिना दिमाग के व्यक्ति के नाम पर केवल एक ही अकाउंट खोला जा सकता है। डाकघर बचत खाता खोलने के समय नॉमिनी जरूरी है।

फेसबुक को मिली इस केस में हार तो बेचना पड़ सकता है इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप

बिजनेस डेस्क:

फेसबुक को मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप और फोटो-शेयरिंग ऐप इंस्टाग्राम को बेचना पड़ सकता है। दरअसल, फेसबुक पर बाजार की प्रतिस्पर्धा को खत्म करने के लिए अपनी शक्ति का दुरुपयोग करने का आरोप लगा है और उस पर केस दर्ज किया गया है। अगर फेसबुक की इस केस में हार हुई तो व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम उसके हाथ से निकल सकते हैं। यूस फेडरल ट्रेड कमीशन (**FTC**) ने फेसबुक पर लैंडमार्क एंटीट्रस्ट कानून के तहत केस दर्ज किया है। इसमें फेसबुक पर आरोप लगा है कि वह अपने प्रतिद्वंद्वियों को खरीदकर सोशल नेटवर्किंग की दुनिया में अपना एकाधिकार जमाना चाहता है। बता दें कि फेसबुक ने मैसेजिंग ऐप व्हाट्सऐप और फोटो-शेयरिंग ऐप इंस्टाग्राम को खरीदने के लिए मोटी रकम खर्च की थी। कंपनी ने साल 2012 में इंस्टाग्राम को 5362 करोड़ रुपए और साल 2014 में व्हाट्सऐप को 1.65 लाख करोड़ रुपए में खरीदा था।

एफटीसी की कोर्ट से मांग

एफटीसी ने कोर्ट से मांग की है कि फेसबुक को अपने बिजनेस के कुछ हिस्से बेचने के लिए कहा जाए, भविष्य में सभी डील्स के लिए रेग्युलेटरी अप्रूवल को अनिवार्य बनाया जाए और थर्ड पार्टी डेवलपर्स पर लगी पाबंदियों को हटाया जाए। साथ ही अटॉर्नी जनरल चाहते हैं कि फेसबुक 10 मिलियन डॉलर से बड़ी डील्स के बारे में राज्यों को एडवांस में नोटिस दे। उनकी मांग है कि इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप को एंटीट्रस्ट लॉज का उल्लंघन करने के कारण अवैध माना जाए। इस मामले में कानूनी लड़ाई लंबी चलने की उम्मीद है क्योंकि फेसबुक आसानी से मानने वाली नहीं है। वह एफटीसी की दो साल तक चली जांच के आगे नहीं झुकी है और एजेंसी को कोर्ट में अपनी बात को साबित करना होगा।

फेसबुक की दलील

फेसबुक ने कंप्टीशन को खत्म करने के आरोपों से इनकार किया है। कंपनी का कहना है कि एफटीसी ने इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप के अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। उसका कहना है कि निवेश के बिना ये दो प्रोडक्ट इतना आगे नहीं जा सकते थे। इतना ही नहीं ट्विटर, टिकटॉक और स्नैप के रूप में इस फील्ड में पर्याप्त प्रतिस्पर्द्धा है।

क्या हो सकता है फेसबुक को नुकसान

फेसबुक को केस हारने की स्थिति में इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप को बेचना पड़ सकता है, जिससे कंपनी की लॉन्गटर्म वैल्यू खत्म हो जाएगी। बता दें कि इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप से फेसबुक की आमदनी काफी बढ़ी है और इसी के दम पर कंपनी डिजिटल कॉमर्स में उतर रही है। यदि ये दोनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक से अलग होते हैं तो उसके ई-कामर्स का दिग्गज बनने के आसार कम हो जाएंगे।

ट्विटर के ग्लोबल वर्कफोर्स में 42.6 प्रतिशत महिलाएं

नई दिल्ली।

ट्विटर ने कहा है कि 2025 तक गलोबल वर्कफोर्स (वैश्विक कार्यबल) में कम से कम 50 प्रतिशत महिलाओं को शामिल करने को लेकर वह सही दिशा में है और 2020 में कंपनी में 42.6 प्रतिशत महिलाएं (सभी भूमिकाओं में) हैं। इसके इनक्लूजन एंड डाइवर्सिटी क्वार्टर4 2020 के अनुसार, वर्तमान में ट्विटर में 38.2 प्रतिशत महिलाएं लीडरशिप भूमिका में हैं और 25.8 प्रतिशत महिलाएं तकनीकी भूमिकाओं में हैं। ट्विटर में इनक्लूजन-डाइवर्सिटी प्रमुख डलाना ब्रांड ने कहा, एक कंपनी के रूप में हम नेतृत्व, पारदर्शिता, और जवाबदेही के लिए गहरी प्रतिबद्धताओं पर दोगुने मजबूत हुए हैं। 2019 में, ट्विटर ने एक इंटरनल डाइवर्सिटी डैशबोर्ड बनाया ताकि कोई भी ट्वीप सही समय में ट्रैक कर सकें कि कंपनी अपने कार्यबल प्रतिनिधित्व लक्ष्यों के संबंध में कैसा परफॉर्म कर रही है। ब्रांड ने गुरुवार को एक बयान में कहा, हमने हाल ही में डाइवर्सिटी डैशबोर्ड के संस्करण 3.0 को लॉन्च किया है जो नाटकीय रूप से इन मैट्रिक्स में पारदर्शिता को बढ़ाता है।

70 लाख बैंक ग्राहकों का खाता हो सकता है खाली! डेबिट-क्रेडिट कार्ड का डेटा हुआ लीक

बिजनेस डेस्क:

70 लाख से ज्यादा ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड का डेटा ऑनलाइन लीक हुआ है। इस डेटा को डार्क वेब पर लीक किया गया है। लीक डेटा में भारतीय कार्डधारकों के केवल नाम ही नहीं बल्कि उनके मोबाइल नंबर्स, इनकम लेवल्स, ईमेल आइडी और पर्मानेंट अकाउंट नवंबर (**PAN**) डिटेल्स शामिल हैं।

साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर राजशेखर राजाहरिया ने इस महीने की शुरुआत में डार्क वेब पर गूगल ड्राइव लिंक की खोज की थी, जिसे **Credit Card Holders data** के नाम का टाइटल दिया गया था। यह गूगल ड्राइव लिंक के माध्यम से डाउनलोड के उपलब्ध है। यह लिंक पब्लिक एक्सेस के लिए ओपन हैं।

2010 से 2019 के बीच का हो सकता है डेटा

Dark web पर लीक हुआ डेटा साल 2010 से 2019 तक का है, जिसका इस्तेमाल हैकर्स कर सकते हैं। **Hackers** लीक पर्सनल डिटेल्स का इस्तेमाल करके कार्ड होल्डर्स को फिशिंग या किसी दूसरे तरीके से अपना निशाना बना सकते हैं। इस डेटा में डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड के नंबर नहीं लीक हुए हैं। हालांकि दावा है कि यह डेटा थर्ड-पार्टी सर्विस प्रोवाइडर की तरफ से आया हो, जिसे बैंक ने डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड बेचने का कॉन्ट्रैक्ट दिया होगा। लीक डेटा में करीब 5 लाख ग्राहकों का **PAN** भी शामिल है।

इन कर्मचारियों का हुआ डेटा लीक

हालांकि अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि 70 लाख यूजर्स का ये लीक डेटा सही है या नहीं। सिक्योरिटी रिसर्चर ने कुछ यूजर्स का डेटा क्रॉस-चेक भी किया, जिसमें ज्यादातर जानकारी एकदम सही निकली। रजाहरिया के मुताबिक-मुझे लगता है कि किसी ने इस डेटा/लिंक को **Dark web** पर बेच दिया और बाद में यह सार्वजनिक हो गया। डार्क वेब पर जो डेटा लीक है वह **Axis** बैंक, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (**BHEL**), केलॉग्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और मैकेंजी एंड कंपनी के कुछ कर्मचारियों का है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन कर्मचारियों की सालाना आय 7 लाख रुपए से लेकर 75 लाख रुपए तक है।

त्योहारी सीजन ने बढ़ाई डिमांड, नवंबर में पैसेंजर व्हीकल्स की थोक बिक्री 13% बढ़ी

नई दिल्ली:

कोविड-19 महामारी के चलते आर्थिक सुस्ती की मार झेल रहे ऑटोमोबाइल सेक्टर को त्योहारी सीजन से रिकवरी के संकेत मिले हैं। ऑटो कंपिनयों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने शुक्रवार को बताया कि त्योहारी मांग के कारण नवंबर 2020 में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री 12.73 फीसदी बढ़कर 2,85,367 हो गई। नवंबर 2019 में यह बिक्री 2,53,139 थी। ऑटो इंडस्ट्री का मानना है कि आगे के व्यापक आर्थिक हालात ही तय करेंगे कि आने वाले दिनों में ऑटो की डिमांड किस तरह की रहेगी।

बाइक की बिक्री 14.9% बढ़ी: SIAM

SIAM के ताजा आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2020 में दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.43 फीसदी बढ़कर 16,00,379 इकाई हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 14,10,939 था। इस दौरान मोटरसाइकिल की बिक्री 14.9 फीसदी बढ़कर 10,26,705 हो गई, जबकि स्कूटर की बिक्री में 9.29 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले साल नवंबर में स्कूटर की बिक्री 4,59,851 यूनिट थी, जो समीक्षाधीन माह में बढ़कर 5,02,561 इकाई हो गई। वहीं, तिपहिया वाहनों की बिक्री 57.64 फीसदी घटकर 23,626 रह गई जो नवंबर 2019 में 55,778 थी।

आर्थिक रिकवरी से तय होगी इंडस्ट्री की चाल

सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन का कहना है कि नवंबर महीने में थोक बिक्री के आंकड़ों में तेजी दर्ज की गई। यात्री वाहनों की बिक्री में 12.73 फीसदी और दोपहिया में 13.43 फीसदी का उछाल पिछले साल नवंबर के मुकाबले देखा गया। इससे साफ है कि त्योहारी सीजन के दौरान वाहनों की डिमांड में इजाफा हुआ। उन्होंने बताया कि दोपहिया की खुदरा बिक्री में थोक बिक्री के मुकाबले कमी रही लेकिन आने वाले समय में जैसे ही ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर (**OEMs**) के साथ डीलर्स का बिजनेस बढ़ेगा यह अंतर खत्म हो जाएगा।

आवासीय कीमतों में बढ़ोतरी के लिहाज से भारत का दर्जा सात स्थान गिरा

नई दिल्ली:

प्रॉपर्टी सलाहकार नाइट फ्रैंक के मुताबिक आवासीय परिसंपत्तियों की कीमतों में बढ़ोतरी के लिहाज से भारत जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सात पायदान गिरकर 54वें स्थान पर आ गया है। सलाहकार फर्म के मुताबिक इस दौरान भारत में पिछले साल के मुकाबले कीमतों में 2.4 प्रतिशत की कमी हुई। सलाहकार फर्म ने अपनी ताजा शोध रिपोर्ट 'ग्लोबल हाउस प्राइज इंडेक्स तीसरी तिमाही 2020% में कहा है कि वैश्विक स्तर पर आवासीय परिसंपत्तियों की कीमत के लिहाज से भारत सात पायदान नीचे आया है। इस तरह भारत का स्थान 2020 की तीसरी तिमाही में 47वें से घटकर 54वां हो गया। रिपोर्ट में कहा गया कि यदि जून तिमाही से तुलना की जाए तो भारत के दर्जे में कोई बदलाव नहीं हुआ है। नाइट फ्रैंक इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि महामारी के प्रतिकूल आर्थिक प्रभावों का मुकाबला करने के लिए रियल एस्टेट डेवलपर अपनी विपणन रणनीतियों को फिर से तैयार कर रहे हैं, जिसमें खरीदारों को आकर्षित करने के लिए वित्तीय लाभ, छूट और आसान भुगतान विकल्प देना शामिल है।

RBI ने HDFC बैंक पर लगाया 10 लाख रुपए का जुर्माना, जानिए क्या है कारण

बिजनेस डेस्क:

भारतीय रिजर्व बैंक (**RBI**) ने देश में निजी सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना सब्सिडियरी जनरल लेजर (**SGL**) में बैलेंस कम होने के मामले में लगाया गया है। यह जानकारी बैंक ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में दी है। बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई सूचना में कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने 4 दिसंबर को उस पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। ऐसा इसलिए क्योंकि (**SGL**) में जरूरी पूंजी के स्तर से कम बैलेंस हो गया था। बैंक ने कहा कि उसे 9 दिसंबर को रिजर्व बैंक का आदेश मिला था। बैंक ने कहा कि 19 नवंबर को बैंक के सीएसजीएल अकाउंट (**Constituent Subsidiary General Ledger, CSGL Account**) में कुछ सिक्योरिटीज में बैलेंस की कमी हो गई थी। बैंक का शेयर शुक्रवार को गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। यह 1379 रुपए पर कारोबार कर रहा था।

क्या होता है SGL

सब्सिडियरी जनरल लेजर एक तरह का डिमैट अकाउंट होता है, जिसमें बैंकों द्वारा सरकारी बॉन्ड रखा जाता है। जबकि, सीएसजीएल को बैंक की तरफ से खोला जाता है, जिसमें ग्राहकों की ओर से बैंक बॉन्ड रखते हैं। बॉन्ड से जुड़े लेनदेन फेल होने को ही कहा जाता है कि एसजीएल बाउंस हो गया।

डिजिटल लांचिंग पर रोक

बता दें कि यह दूसरा मामला हाल में है जब बैंक को रिजर्व बैंक की कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। हाल में रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी बैंक को अगले आदेश तक नई डिजिटल लांचिंग पर रोक लगाने का आदेश दिया है। आरबीआई ने यह भी कहा कि बैंक नया क्रेडिट कार्ड जारी नहीं कर सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बैंक के डिजिटिल प्लेटफॉर्म में लगातार दो सालों से गड़बडी मिल रही है। यही कारण है कि एचडीएफसी बैंक को अपनी डिजिटल स्थिति सुधारने का आदेश दिया गया है। बैंक का इसकी वजह से डिजिटल-2 प्रोग्राम भी अटक गया है। इसके तहत बैंक ढेर सारी लांचिंग की योजना बनाया था। हाल के दिनों में बैंक के स्टॉक पर इसका दबाव दिखा

बता दें कि एचडीएफसी बैंक देश में निजी सेक्टर का सबसे बड़ा बैंक है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

» पिंक बॉल अभ्यास मैच: सैनी- शमी का कहर, ऑस्ट्रेलिया ए 108 पर ढेर

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे प्रैक्टिस मैच में गेंदबाजों ने कराई भारत ए की वापसी

सिडनी।(एजेंसी)।

जसप्रीत बुमराह के अर्धशतक के बाद भारतीय गेंदबाजों ने दूसरे प्रैक्टिस मैच में भारत की वापसी कराई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम मात्र 194 रन ही बना पाई। भारत ए की तरफ से बुमराह ने सबसे अधिक ने 55 रन बनाए और अंत तक नॉटआउट रहे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ए 108 रन ही बना पाई। इस मैच में विराट कोहली को आराम दिया गया है। भारतीय टीम की कप्तानी अजिंक्य रहाणे कर रहे हैं।

मोहम्मद शमी ने आस्ट्रेलिया ए के शीर्ष क्रम को पूरी तरह से जमने का मौका ही नहीं दिया और उन्होंने आस्ट्रेलिया ए की पूरी टीम को 108 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभायी। भारत ने इस तरह से पहली पारी में 86 रन की बढ़त हासिल की है। शमी ने 29 रन देकर तीन विकेट लिये। बुमराह (33 रन देकर दो) ने अपेक्षानुरूप गेंदबाजी में भी जलवा बिखेरा जबकि नवदीप सैनी (19 रन देकर तीन) और सिराज (26 रन देकर एक) ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का दावा मजबूत किया।भारतीय पारी अगर 48.3 ओवर तक चली तो आस्ट्रेलिया ए की टीम 32.2 ओवर तक ही टिक पायी।

भारतीय मध्यक्रम पूरी तरह से फेल

भारत ने मयंक अग्रवाल (दो) का विकेट जल्दी गंवा दिया जिन्होंने सीन एबट की गेंद पर ढीला शॉट खेलकर अपना विकेट इनाम में दिया। पृथ्वी सॉव (40) और शुभमन गिल (43) दोनों अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाये। ये दोनों एडीलेड में 17 दिसंबर से शुरू होने पहले दिन रात्रि टेस्ट मैच में अग्रवाल का सलामी जोड़ीदार बनने के दावेदार हैं।

अग्रवाल के साथ पारी का आगाज करने वाले सॉव को आलराउंडर विल सदरलैंड ने उनके बल्ले और पैड के बीच से गेंद निकालकर बोल्ड किया जिससे गिल के साथ उनकी दूसरे विकेट के लिये 63 रन की साझेदारी का भी अंत हुआ। अब निगाहें हनुमा विहारी पर टिकी थी जो पहले अभ्यास मैच में भी 15 और 28 रन ही बना पाये थे। यह टेस्ट विशेषज्ञ हालांकि इस बार भी 15 रन से आगे नहीं बढ़ पाया और मध्यम गति के गेंदबाज जैक विल्डरमठ की गेंद पर बोल्ड हो गया। यहीं से भारतीय पारी पतन शुरू हुआ। गिल अगले ओवर में पवेलियन लौटे जबकि पहले अभ्यास मैच में शतक जड़ने कप्तान अंजिक्य रहाणे केवल चार रन बनाकर विकेट के पीछे कैच दे बैठे। भारत ने इस मैच में ऋषभ पंत को विकेटकीपर और ऋद्धिमान साहा को विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में अंतिम एकादश में रखा था

लेकिन दोनों नहीं चल पाये। पंत पहले बल्लेबाजी के लिये उतरे लेकिन केवल पांच रन बना पाये जबकि साहा 22 गेंदों का सामना करने के बावजूद खाता नहीं खोल सके।

जब लग रहा था कि भारत सस्ते में पवेलियन लौट जाएगा तब बुमराह ने लंबे शॉट खेलने के अपना कौशल दिखाया अपने प्रथम श्रेणी करियर का पहला अर्धशतक जमाया। इससे पहले उनका सर्वोच्च स्कोर 16 रन था। उनका एक शॉट आलराउंडर कैमरन ग्रीन के सिर पर लगा जिससे उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। बुमराह ने 57 गेंदों का सामना किया तथा सदरलैंड की गेंद पर छक्के से अर्धशतक पूरा किया। सिराज ने अपनी पारी में दो चौके और एक छक्का लगाया। आस्ट्रेलिया ए की तरफ से एबट और विल्डरमठ ने तीन-तीन विकेट लिए।

इसके बाद भारतीय तेज गेंदबाजों ने अनुकूल परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाकर आस्ट्रेलिया ए के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ली। उसके अब तक केवल चार बल्लेबाज अनुभवी मार्कस हैरिस (26), निक मैडिनसन (19), कप्तान एलेक्स कैरी (32) और विल्डरमठ (12) ही दोहरे अंक में पहुंचे हैं। पहले टेस्ट के लिए अदद सलामी जोड़ी की तलाश में जुटे आस्ट्रेलिया ने हैरिस और बर्न्स से पारी का आगाज करवाया लेकिन इनमें से कोई भी प्रभावित नहीं कर पाया। खराब फार्म में चल रहे बर्न्स को बुमराह ने अपनी दूसरी गेंद पर ही विकेट के पीछे कैच करा दिया जिससे उनके पहले टेस्ट में खेलने की संभावना भी कमजोर पड़ गयी है।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा, भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला हो सकती है आक्रामक

एडीलेड। (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने शुक्रवार को कहा कि भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला 'थोड़ी आक्रामक' हो सकती है हालांकि सीमित ओवरों की श्रृंखला में भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच दोस्ताना छींटाकशी ही देखी गई। चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला 17 दिसंबर से शुरू होगी। कमिंस ने एक वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' छींटकाशी के मामले में अभी तक यह दौरा दोस्ताना रहा है। मैदान पर सभी मुस्कुराते नजर आये। लेकिन टेस्ट क्रिकेट की बात अलग है जिसमें पांच दिन तक खेलना होता है। इसमें इतनी दोस्ती नहीं दिखेगी क्योंकि ये काफी प्रतिस्पर्धी और चुनौतीपूर्ण होगी।'' उन्होंने कहा कि उन्हें विराट कोहली को गेंदबाजी करने का इंतजार है।

कमिंस ने कहा ,'मुझे खुशी है कि स्टीव स्मिथ को गेंदबाजी नहीं करनी पड़ती। मैने पिछले सप्ताह केन विलियमसन का दोहरा शतक देखा। खुश हूं कि मैं वहां नहीं खेल रहा था। कई बार कुछ बल्लेबाजों के साथ प्रतिस्पर्धा बड़ी हो जाती है।' उन्होंने कहा ,'मुझे याद है जब ग्लेन मैकग्रा वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा को गेंदबाजी करते थे। आप इसलिये उसे देखते थे कि आपको लगता था कि कुछ होने वाला है।देखते है। कि इस श्रृंखला में क्या होता है।' आस्ट्रेलिया के भावी टेस्ट कप्तान माने जा रहे कमिंस ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाज भी कप्तान हो सकते हैं। उन्होंने कहा ,' मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी करना एक गेंदबाज के लिये सबसे आसान है।आप काफी व्यस्त रहते हैं और गेंदबाजी में काफी प्रयास करते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ज्यादा गेंदबाज कप्तान नहीं है लेकिन पता नहीं ऐसा क्यो है।' कमिंस ने कहा कि आगामी टेस्ट श्रृंखला में विकेटों से उन्हें रफ्तार और उछाल मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा ,'बल्ले और गेंद में संतुलन होना चाहिये। टेस्ट मैच में एक टीम जाकर 600 रन बना दे तो देखने में क्या मजा आयेगा। गेंदबाज और बल्लेबाज दोनों के लिये कुछ होना चाहिये। आस्ट्रेलिया में विकेटों से रफ्तार और उछाल जरूर मिलेगी।

प्रैक्टिस मैच में जसप्रीत बुमराह ने जड़ा करियर का पहला अर्धशतक

सिडनी।(एजेंसी)।

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ गुलाबी गेंद से अभ्यास मैच के पहले दिन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पहला अर्धशतक जमाया। बुमराह ने 57 गेंद में 55 रन बनाये। भारतीय टीम 48 . 3 ओवर में 194 रन पर आउट हो गई। भारतीय बल्लेबाजों को जहां रन बनाने में दिक्कत हो रही थी, वहीं बुमराह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए छह चौके और दो छक्के लगाये। बुमराह और मोहम्मद सिराज ने दसवें विकेट के लिये 71 रन की साझेदारी की।

जसप्रीत बुमराह के शॉट से ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज कैमरन ग्रीन हुए चोटिल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम में चुने जाने के दावेदार हरफनमौला कैमरन ग्रीन के सिर पर शुक्रवार को यहां भारत के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान गेंदबाजी करते समय जसप्रीत बुमराह के स्ट्रेट ड्राइव से गेंद लग गयी। वह दिन का अपना दूसरा गेंदबाजी स्पैल डाल रहे थे और जब बुमराह ने स्ट्रेट ड्राइव शॉट खेला तो वह सही समय पर प्रतिक्रिया नहीं कर सके और यह उनके हथेलियों से होते हुए सिर के बायें हिस्से पर लग गयी जिससे वह तुरंत ही नीचे बैठ गये। नान स्ट्राइकर छोर पर खड़े मोहम्मद सिराज भागकर उन्हें देखने गये।मेडिकल टीम ने दो मिनट तक उनकी जांच की और यह आल राउंडर कुछ और जांच के लिये खुद ही चलकर मैदान से बाहर चला गया। बल्लेबाज पैट्रिक रोव को 'कनकशन सब्स्टीट्यूट' के तौर पर शामिल किया गया। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के टीम डॉक्टर पिप इंगे ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, ''कैमरन को आस्ट्रेलिया ए के लिये गेंदबाजी करते समय हल्की सी गेंद लगी है। कैमरन के साथ पहली बार ऐसा हुआ है। वह टीम होटल लौट गये हैं और अभ्यास मैच के बचे हुए दोनों दिन नहीं खेलेंगे। '' उन्होंने कहा, ''हम उनके स्वास्थ्य पर नजर रखेंगे और उनकी हालत के बारे में अपडेट देंगे। ''

शराब पीकर रवि शास्त्री ने खोल दिए टीम इंडिया के राज

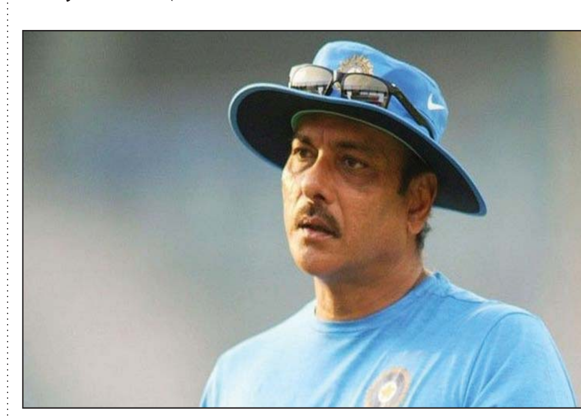

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

ईशांत शर्मा चोट के कारण ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर नहीं जा पा रहे हैं। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा बायीं पसली में चोट के कारण आईपीएल 2020 की शुरुआत में ही से बाहर हो गए थे। ऐसे में सभी क्रिकेट फैंस के जेहन में यह सवाल आ रहा है कि अंतिम ग्यारह में तीसरा पेसर कौन होगा। फिलहाल कप्तान और कोच के सामने 3 विकल्प हैं, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी और उमेश यादव। ज्यादातर संभावना यही है कि कम से कम पहले टेस्ट में मौका उमेश यादव को मिलने वाला है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर गेंदबाजी करने का उनके पास खासा अनुभव है। हालांकि यह बात सामने आई है कि पीते पीते ही भारतीय टीम के कोच रवि शास्त्री ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर के सामने तीसरे पेसर का नाम उगल दिया है। पीटीआई को दिए एक बयान में चैपल ने कहा है कि वह कोच शास्त्री के साथ पी रहे थे और तभी उनको यह समाचार मिला। एक इंटरैक्टिव सैशन के दौरान चैपल ने कहा कि मुझे कोच शास्त्री ने बताया है कि तीसरे पेसर के तौर पर उमेश यादव का चयन पक्का है।चैपल ने यह भी माना कि भारत के लिए अच्छी बात यह है कि दौरे की शुरुआत ही दिन, रात्रि के मैच यानि कि पिंक बॉल टेस्ट से हो रही है, क्योंकि भारत के पास दो बेहतरीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी हैं। यदि पहले बल्लेबाजी करने पर भारत 300 रन बना देता है तो जीत सुनिश्चित है।

रोहित शर्मा ने पास किया फिटनेस टेस्ट, जानिए कब करेंगे ऑस्ट्रेलिया दौरा

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

भारतीय टीम के सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने 17 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले शुक्रवार को बेंगलुरू स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीस) में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया। इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान रोहित के मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था जिससे वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीमित ओवरों की टीम का हिस्सा नहीं बना सके थे। कोरोना वायरस के कारण ऑस्ट्रेलिया में पृथकवास नियमों के चलते वह हालांकि पहले दो टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हो सकेंगे लेकिन आखिरी दो टेस्ट में वह टीम का हिस्सा बन सकते है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर

पीटीआई-से कहा, '' रोहित ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और वह जल्द ही ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरेंगे।'' रोहित का फिटनेस टेस्ट एनसीए के निदेशक राहुल द्रविड़ की देखरेख में हुआ। द्रविड को उन्हें फिटनेस प्रमाणपत्र देने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उम्मीद की जा रही है कि रोहित अगले दो दिनों में ऑस्ट्रेलिया रवाना हो जाएगें। वहसिडनी (पिछले 7 से 11 जनवरी) और ब्रिसबेन (15 जनवरी से 19 जनवरी) में होने वाले आखिरी दो टेस्ट के लिए अभ्यास करने से पहले 14 दिनों तक वहां पृथकवास में रहेंगे।

पिंक बॉल से खेला जाएगा दूसरा अभ्यास मैच, कोहली की गैरमौजूदगी में खेलेगी टीम इंडिया

सिडनी। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दिन रात का दूसरा अभ्यास मैच नहीं खेलने का फैसला किया है ताकि टेस्ट श्रृंखला से पहले तरोताजा हो सकें। भारत ने शुक्रवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। कोहली के नहीं खेलने से अजिंक्य रहाणे कप्तानी करेंगे। टेस्ट श्रृंखला 17 दिसंबर को एडीलेड में गुलाबी गेंद से होने वाले पहले टेस्ट से शुरू होगी। भारतीय टीम ने गुलाबी गेंद से पिछले साल ईडन गार्डंस पर बांग्लादेश के खिलाफ एक टेस्ट खेला था जिसमें उसे एक पारी और 46 रन से जीत मिली थी। आस्ट्रेलिया ने गुलाबी गेंद से कई मैच खेले हैं।

न्यूजीलैंड दौरे से हटने का सोच रही थी पीसीबी, कोच मिसबाह ने बताया कारण

कराची।(एजेंसी)

मुख्य कोच मिसबाह उल हक ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से न्यूजीलैंड दौरे से हटने के विकल्प पर चर्चा की थी जब वे पृथकवास में थे लेकिन खिलाड़ियों और अधिकारियों ने दौरा पूरा करने का फैसला किया। पाकिस्तान का न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैचों के लिये दौरा अगले हफ्ते से शुरू हो रहा है लेकिन पाकिस्तान के आठ सदस्यों के कोविड-19 पॉजिटिव पाये जाने

और स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के कुछ उल्लंघन के बाद इस दौरे पर संदेह के बादल छा गये थे।

पृथकवास में तीसरे दिन प्रोटोकॉल उल्लघंन के बाद न्यूजीलैंड स्वास्थ्य अधिकारियों ने टीम के छोटे समूह में ट्रेनिंग करने की छूट को रद्द कर दिया था। मिसबाह से जब पूछा गया कि जब टीम पृथकवास में थी तो क्या टीम के घर लौटने के विकल्प के बारे में चर्चा की गयी थी तो उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से, ये सामान्य हालात नहीं थे और हमने क्रिकेट बोर्ड से विकल्पों के बारे में चर्चा की थी लेकिन अंत में हमने फैसला किया था कि अब हम न्यूजीलैंड में इतने समय से रह रहे हैं तो हमें दौरा पूरा करना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट सीरीज कैसे जीतेगी भारत? अनिल कुंबले ने दिया जवाब

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

पूर्व राष्ट्रीय कोच अनिल कुंबले को लगता है कि अगर भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरूआती दिन-रात्रि टेस्ट में जीत हासिल नहीं की तो करिश्माई कप्तान विराट कोहली की अनुपस्थिति में मेहमानों के लिये काफी मुश्किल हो जायेगी। भारत 17 दिसंबर से एडीलेड में दिन-रात्रि टेस्ट के साथ बार्डर-गावस्कर टेस्ट श्रृंखला की शुरूआत करेगा और कुंबले को लगता है कि यह मैच भारत के लिये 'बड़ी चुनौती' होगी। कप्तान कोहली शुरूआती टेस्ट के बाद अपने पहले बच्चे के जन्म के लिये स्वदेश लौट आयेंगे। इस महान स्पिनर ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''अगर हम पहले टेस्ट मैच में जीत हासिल करके आगे हो जाते हैं तो भारत के पास पिछले आस्ट्रेलिया दौरे की उपलब्धि को दोहराने का बढ़िया मौका होगा। '' उन्होंने कहा, ''हालांकि स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर टीम में वापसी कर रहे हैं और फिर विराट भी तीन टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेगा तो यह निश्चित रूप से भारत के लिये बड़ा कारण बन जायेगा। लेकिन यह कहने के बावजूद, टीम में काफी काबिलियत मौजूद हैं, भले ही वो बल्लेबाजी हो या फिर गेंदबाजी। ''

भारतीय खिलाड़ियों के पास शीर्ष स्तर के क्रिकेट में गुलाबी गेंद से खेलने का ज्यादा अनुभव नहीं हैं और टीम ने केवल एक ही मैच गुलाबी गेंद से खेला है जो पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ था जिसमें उसने पारी और 46 रन के अंतर से जीत हासिल की थी। वहीं आस्ट्रेलियाई टीम ने पिछले कुछ वर्षों में काफी दिन-रात्रि मैच खेले हैं। कुंबले को लगता है कि भारत का तेज गेंदबाजी आक्रमण आस्ट्रेलिया के बराबर ही है जबकि मेहमान बल्लेबाजी में मेजबानों से आगे हैं लेकिन यह सब पहले टेस्ट के नतीजे पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, ''अगर हम गुलाबी गेंद के टेस्ट में जीत हासिल कर बढ़त हासिल कर लेते हैं - जिसमें आस्ट्रेलिया निश्चित रूप से मजबूत है और उन्होंने एडीलेड में जब भी गुलाबी गेंद से मैच खेले हैं तो काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। ''

कुंबले ने कहा, ''इसलिये अगर भारत पहले टेस्ट में आस्ट्रेलिया के खिलाफ बढ़त हासिल कर लेता है तो मैं भारत का समर्थन करूंगा। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो विराट के बिना अगले तीन टेस्ट में यह काफी मुश्किल होगा। '' पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा कि भारत को किसी को ढूंढना होगा जो श्रृंखला में 500 से ज्यादा रन जुटा सके जैसा कि चेतेश्वर पुजारा ने पिछली बार किया था। द्रविड़ भी इस वर्चुअल कार्यक्रम का हिस्सा थे, उन्होंने कहा, ''पिछली बार की तरह हमारा पुजारा कौन होगा? मैं ऐसा इसलिये कह रहा हूं क्योंकि पुजारा ने पिछली बार 500 से ज्यादा रन जुटाये थे इसलिये आपको इसी तरह के एक बल्लेबाज की जरूरत होगी जो ऐसा कर सके। '' उन्होंने कहा, ''या तो वह खुद पुजारा होगा - निश्चित रूप से, यह कोहली नहीं हो सकता क्योंकि वह पूरे दौरे पर टीम के साथ नहीं होगा। लेकिन मेरी राय में आपको चार टेस्ट मैचों में अपने एक बल्लेबाज की जरूरत होगी जो 500 से ज्यादा रन जुटा सके। '' द्रविड 2003-04 बार्डर गावस्कर श्रृंखला में भारत के लिये शीर्ष स्कोरर रहे थे, उन्होंने 619 रन जोड़े थे। उन्होंने कहा, ''भारत के पास ऐसा गेंदबाजी आक्रमण है जो उन परिस्थितियों में 20 विकेट झटक सकता है। '' उन्होंने कहा, ''वहां के हालात चुनौतीपूर्ण होंगे। आस्ट्रेलिया ऐसा विकेट बनाने की कोशिश करेगा जो तेज गेंदबाजों के लिये मददगार हो। तो क्या हम इसकी बराबरी कर पायेंगे तो मुझे लगता है कि हम पांच दिन में 20 विकेट चटका पायेंगे।

इस्राइल फैंस ने यूएई के मालिकाना हक वाले फुटबॉल क्लब का किया स्वागत

यरूशलम। इस्राइल के फुटबॉल क्लब के प्रशंसकों को आम तौर पर अरब देशों की टीमों और खिलाड़ियों के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए जाना जाता है लेकिन संयुक्त अरब अमीरात के व्यापारी के द्वारा देश की फुटबॉल में निवेश का ज्यादातर लोगों ने स्वागत किया। अबुधाबी के शेख हमद बिन खलिफा अल नहयान ने हाल ही में बेतर यरूशलम टीम की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी को खरीदा है। जिसका बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। कुछ प्रशंसक इसका विरोध करते भी दिखे लेकिन पुलिस ने उन्हें नियंत्रित कर लिया। इस्राइली पुलिस ने कहा कि विरोध के दौरान झड़प करने वाले चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

विम्बलडन चैम्पियन और टेनिस हॉल आफ फेम एलेक्स ओलमेडो का निधन, कैंसर से थे पीड़ित

सांटा मोनिका (अमेरिका)। अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल आफ फेम में शामिल 1959 के विम्बलडन और ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन एलेक्स ओलमेडो का निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। ओलमेडो के बेटे अलेजांद्रो जूनियर ने कहा कि उनका बुधवार को दिमाग के कैंसर के कारण निधन हुआ। ओलमेडो का जन्म 1936 में पेरू में हुआ था लेकिन बाद में वह अमेरिका बस गए। उन्होंने 1958 में अमेरिका के लिये डेविस कप खेला और खिताब जीता। उन्होंने हैम रिचर्डसन के साथ अमेरिकी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप भी जीती जिसे अब अमेरिकी ओपन कहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किआरा की 'इंदू की जवानी' को लगा झटका, 400 सिनेमाघर में नहीं हुई रिलीज

किआरा आडवाणी अभिनीत फिल्म 'इंदू की जवानी' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। ऐसे दौर में फिल्म को सिनेमाघर में रिलीज करना साहस की बात है जब सिनेमाघर 50 प्रतिशत कैपिसिटी के साथ खुले हुए हैं और दर्शक सिनेमाघर आने में हिचकिचा रहे हैं, लेकिन फिल्म की रिलीज को तगड़ा झटका लगा है और लगभग 400 सिनेमाघरों में यह फिल्म रिलीज नहीं हो पाई है। यह फिल्म नेशनल मल्टीप्लेक्स में ही दिखाई जा रही है।

दरअसल एक विवाद सिंगलस्क्रीन सिनेमाघर और नॉन नेशनल मल्टीप्लेक्स बनाम फिल्म के निर्माताओं के बीच हो गया। विवाद कंटेंट डिलीवरी चार्ज (सीडीसी) को लेकर हुआ।

निर्माताओं ने इन प्रदर्शकों को कहा था कि दो हजार रुपये का सीडीसी चार्ज वे वहन करेंगे, लेकिन अंतिम समय में उन्होंने कह दिया कि इसका वहन सिनेमाघर वालों को उठाना पड़ेगा। इसी वजह से फिल्म की रिलीज इन सिनेमाघरों में नहीं हो पाई।

वैसे भी सिनेमाघरों में इन दिनों बहुत कम दर्शक पहुंच रहे हैं और ऐसे समय जब सिनेमाघर पहुंच उन्हें पता चला कि इंदू की जवानी रिलीज नहीं हो पाई तो उनका गुस्सा होना स्वाभाविक है।

पृथ्वीराज के बाद पर्दे पर राजा सुहेल देव का किरदार निभा सकते हैं अक्षय कुमार

अक्षय कुमार बॉलीवुड के सबसे बिजी एक्टर में से एक हैं। अक्षय कुमार की बैक टू बैक कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार रहती है। वे एक फिल्म की शूटिंग खत्म करते हैं और दूसरी फिल्म की शूटिंग शुरू कर देते हैं। ताजा खबरों की माने तो अक्षय कुमार राजा पृथ्वीराज का किरदार निभाने के बाद जल्द ही राजा सुहेल देव के किरदार में दिखेंगे।

राजा सुहेल देव भारतीय इतिहास के पराक्रमी राजाओं में से एक रहे हैं, जिन्हें समय के साथ भुला दिया गया। राजा सुहेल देव के ऊपर लेखक अमीश त्रिपाठी ने एक किताब लिखी है, जिस पर एक फिल्म बनने वाली है।

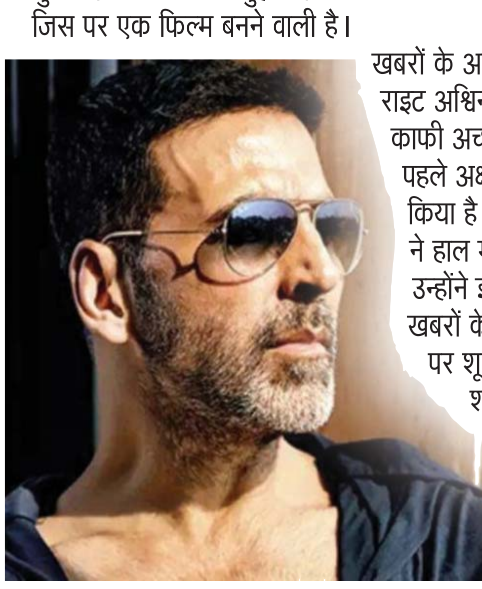

खबरों के अनुसार अमीश त्रिपाठी की इस किताब के राइट अश्विन वर्दे ने खरीदे हैं। वो अक्षय कुमार के काफी अच्छे दोस्त हैं, जिस कारण अश्विन ने सबसे पहले अक्षय कुमार को इस फिल्म को अप्रोच किया है। बताया जा रहा है ?कि अक्षय और अश्विन ने हाल में ही एक क्लोज डोर मीटिंग की है, जहां उन्होंने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की है।

खबरों के अनुसार इस फिल्म को बहुत बड़े स्केल पर शूट करने की प्लानिंग हो रही है। फिल्म में शानदार स्टंट्स होंगे,जिसके लिए इंटरनेशनल एक्शन डायरेक्टर्स को साइन किया जाएगा। फिल्म को भारत के अलग-अलग हिस्सों में शूट किया जाएगा।

अक्षय कुमार और अश्विन 'बॉस' और 'द शौकीन्स' जैसी फिल्में बना चुके हैं। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्मों की बात करें तो वे बेल बॉटम, पृथ्वीराज, अतरंगी रे, रक्षाबंधन, राम सेतु और हाउसफुल 5 जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

संजय दत्त ने शुरू की 'केजीएफ चैप्टर 2' की शूटिंग, एक्शन सीन के लिए बॉडी डबल लेने से किया इनकार

संजय दत्त एक वह नाम हैं, जो दर्शक के जहन में मुन्ना भाई एमबीबीएस जैसी कुछ क्लासिक फिल्मों के साथ जुड़ा हुआ है। अभिनेता ने बॉक्स ऑफिस पर हमेशा इसे बड़ा बनाया है। कैंसर से जंग जीतने के बाद संजय दत्त ने केजीएफ चैप्टर 2 के सेट पर पूरी तैयारी के साथ काम करना शुरू कर दिया है।

अभिनेता के एक करीबी सूत्र ने साझा किया, संजय दत्त ने हाल ही में अपना काम शुरू कर दिया है, उन्होंने हाल ही में भुज के लिए अपनी शूटिंग पूरी की और वर्तमान में केजीएफ चैप्टर 2 की शूटिंग हैदराबाद में कर रहे हैं। फिल्म के क्लाइमेक्स के लिए एक कोयला खदान में बहुत सारे एक्शन दृश्य चित्रित होने थे।

केजीएफ के निर्माताओं ने संजय दत्त को अपनी रिकवरी को देखते हुए एक बॉडी डबल लेने का सुझाव दिया, लेकिन अभिनेता ने उसे इनकार कर दिया। संजय ने खुद एक्शन सीक्वेंस किए। उन्होंने अपनी पिछली फिल्मों में भी ऐसा किया है। वह बीमारी से पुरी तरह से ठीक हो गए हैं और अपने एक्शन सीक्वेंस के लिए तैयार है।

केजीएफ चैप्टर 2 का आखिरी और अंतिम शेड्यूल जो कि क्लाइमैक्स सीक्वेंस है, उसका शूट दिसंबर की शुरुआत में शुरू हुआ और दिसंबर के मध्य तक इसे पुरा किया जाएगा। संजय दत्त रोज शूटिंग कर रहे हैं और मुश्किल से ब्रेक लिया करते है। क्लाइमैक्स आखिरी चीज थी जिसे शूट किया जाना बाकी था, बाकी सभी दृश्यों को पिछले साल ही शूट किया गया और पूरा किया गया।

केजीएफ चैप्टर 2 में संजय दत्त के साथ केजीएफ के प्रसिद्ध अभिनेता यश स्क्रीन स्पेस साझा कर रहे है, दोनों सुपरस्टार इस बहुप्रतीक्षित और प्रत्याशित फिल्म के लिए पहली बार सहयोग कर रहे है। सूत्र ने साझा किया, ऐसा नहीं लगता कि संजू बाबा और यश पहली बार एक साथ शूटिंग कर रहे हैं। जैसे-जैसे केजीएफ 2 की शूटिंग आगे बढ़ी, वे एक-दूसरे के साथ अधिक सहज हो गए और अक्सर शूटिंग के साथ-साथ अपने समय का आनंद लेते हुए, कुछ जीवन के अनुभव और संवादों को साझा करते हुए देखे गए। यश और संजय दत्त दोनों का एक-दूसरे के लिए बहुत सम्मान रखते है और फिल्म के गहन क्लाइमेक्स की शूटिंग में बहुत मज़ा ले रहे है।'

वह अपने एक्शन सीक्वेंस खुद करने के लिए जाने जाते हैं और बॉडी डबल का इस्तेमाल कभी नहीं करते। संजय दत्त की धैर्य और हिम्मत ऐसी है, कोई भी बाधा उनके सामने खड़ी नहीं हो सकती। पूरी तरह से पूर्ववत अभिनेता ने दूसरों के अनुसरण के लिए एक बेंचमार्क सेट किया है। वह केजीएफ चैप्टर 2 में खलनायक 'अधीरा' की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

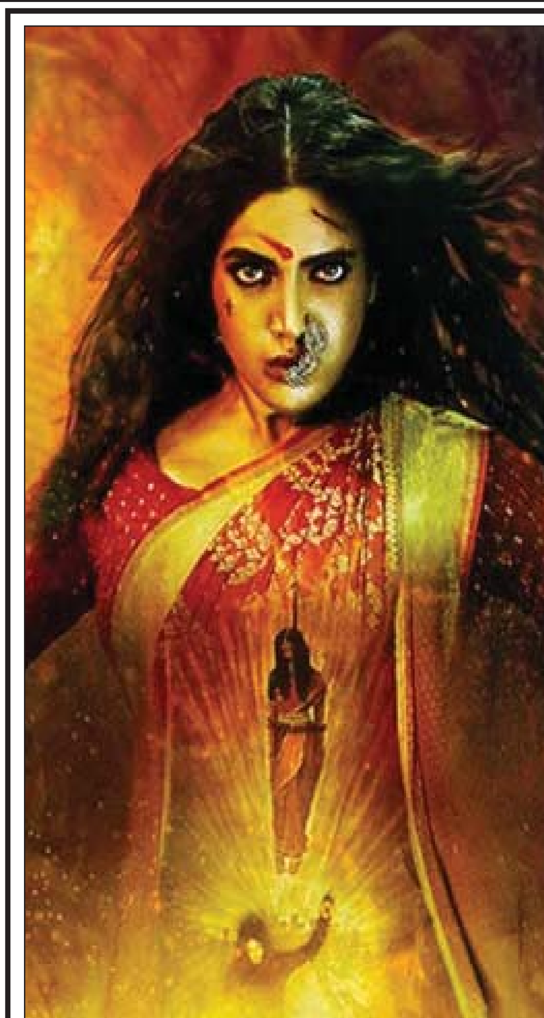

उम्मीदों पर खरी नहीं उतरती भूमि पेडनेकर की 'दुर्गामती'

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर की हॉरर-थ्रिलर फिल्म दुर्गामती अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। इसमें भूमि के अलावा अरशद वारसी, जिशु सेनगुप्ता, माही गिल और करण कपाड़िया जैसे सितारों ने काम किया है। फिल्म को एंटरटेनिंग बनाने के लिए तमाम कोशिश की गई है जो बेकार साबित होती हैं।

कहानी: फिल्म दुर्गामती की कहानी ईश्वर प्रसाद (अरशद वारसी) से शुरू होती है। ईश्वर प्रसाद ईमानदार नेता और जल संसाधन मंत्री है। उसके इलाके में मंदिरों से पुरानी मूर्तियां चोरी हो रही हैं, जिससे लोगों में बहुत नाराजगी है। ऐसे में ईश्वर प्रसाद लोगों से वादा करता है कि वह 15 दिनों अंदर मूर्तियां वापस लाएगा और अगर ऐसा नहीं होता है तो वह राजनीति से संन्यास ले लेगा।

अब मूर्तियां वापस लाकर ईश्वर प्रसाद जनता के बीच हीरो ना जाए इसके लिए दूसरी पार्टी के नेता उसके खिलाफ एक साजिश रचते हैं। इसके लिए सीबीआई अधिकारी शताक्षी गांगुली (माही गिल) को काम पर लगाया जाता है। ईश्वर प्रसाद के बारे में पता करने के लिए आईएएस ऑफिसर चंचल चौहान (भूमि पेडनेकर) से पूछताछ की जाती है जो ईश्वर प्रसाद की सेक्रेटरी रह चुकी हैं और खून के इल्जाम में जेल में सजा काट रही है। अब इस कैदी को एक पुरानी और सुनसान हवेली में रहने के लिए छोड़ दिया जाता है। यही से फिल्म दुर्गामती की असली कहानी से शुरू होती है। फिल्म में ऐसे कई हॉरर सीन हैं जो बेवजह क्रिएट किए गए हैं। हालांकि, फिल्म में ऐसे कई ट्विस्ट हैं, जो काफी मजेदार हैं। इसके क्लाइमैक्स में क्या होता है यह जानने के लिए आपको पूरी फिल्म देखनी पड़ेगी।

एक्टिंग: भूमि पेडनेकर को एक्सपेरिटल रोल्स के लिए जाना जाता है, लेकिन इस फिल्म उनकी एक्टिंग का जादू नहीं चला। भूमि के चेहरे के हाव-भाव और डायलॉग्स आपस में मेल नहीं खाते हैं। माही गिल को काम को ठीक-ठीक कहा जा सकता है। जीशु सेनगुप्ता की ओवरएक्टिंग बर्दाश्त से बाहर है। अरशद वारसी ने भी ठीक काम किया है। करण कपाड़िया की बात करें तो अगर वह फिल्म में नहीं भी होते तो कोई फर्क नहीं पड़ता।

डायरेक्शन: फिल्म दुर्गामती का निर्देशन जी अशोक ने किया है। इसकी स्क्रिप्ट काफी कमजोर हैं ऐसे में इसके डायरेक्शन में कुछ कमाल करना संभव ही नहीं है। एक बेहतर स्क्रिप्ट ही फिल्म को उम्दा बनाने का काम करती है। फिल्म में कई खामियां हैं और सितारों की परफॉर्मेंस भी निराश करती है। फिल्म का राजनीतिक एंगल काफी बोर करने वाला है। इसके अलावा फिल्म के कई हॉरर सीन भी बेतुके लगते हैं।

दीपिका से पहले इस एक्ट्रेस से प्यार करते थे रणवीर सिंह, आज ब्रेकअप को हो गये 10 साल पूरे

आज से 10 साल साल पहले बड़े पर्दे पर मनेश शर्मा द्वारा निर्देशित बैंड बाजा बारात रिलीज हुई थी। फिल्म में अनुष्का शर्मा और रणवीर सिंह ने साथ काम किया था। फिल्म बैंड बाजा बारात ने आज 10 साल पूरे कर लिए और इसके साथ ही रणवीर सिंह को इंडस्ट्री में आये पूरे 10 साल हो गये क्योंकि इसी फिल्म से रणवीर सिंह ने डेब्यू किया था। अनुष्का शर्मा की ये तीसरी फिल्म थी।

फिल्म में अनुष्का शर्मा और रणवीर सिंह शादी की पूरी प्लानिंग करने का कारोबार करते हैं। इसी कारोबार के दौरान दोनों की एक लव स्टोरी भी पनपती है। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म को बनाते वक्त इसकी कास्ट और निर्देशक ने भी ऐसा नहीं सोचा था कि फिल्म को इतना अच्छा रिस्पॉन्स मिलेगा। इस फिल्म की रिलीज़ को 10 साल बीत चुके हैं, और अनुष्का शर्मा बैंड बाजा बारात की 10 वी सालगिरह मना रही हैं।

अनुष्का शर्मा ने एक वीडियो साझा किया, जिसे शुरुआत में यश राज फिल्म्स (बैंड बाजा बारात के निर्माता) के आधिकारिक हैंडल द्वारा पोस्ट किया गया था। पोस्ट में फिल्म से क्लिपिंग की विशेषता वाला एक वीडियो असेंबल है। अनुष्का शर्मा ने श्रुति की भूमिका निभाई जबकि फिल्म में रणवीर के ऑनस्क्रीन किरदार को बिट्टू कहा गया।

कहते है कि फिल्म के दौरान रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा के बीच प्यार भी पनप रहा था। उस दौरान कई मीडिया रिपोर्ट में ये दावा किया गया कि अनुष्का शर्मा और रणवीर सिंह फिल्म के सेट पर एक दूसरे के नजदीक आये थे। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया। रणवीर सिंह हमेशा से ही अपनी निजी जिंदगी को बहुत ज्यादा हाइड करके नहीं रखते इस लिए उन्हें अनुष्का के साथ कई बार देखा गया था। कुछ निजी कारणों के कारण दोनों का रिश्ता टूट गया।

रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री बैंड बाजा बारात में दर्शकों को बहुत पसंद आई थी। इसके बाद अभिनेताओं ने दो अन्य फिल्मों - लेडीज वर्सेस रिकी बहल और दिल धड़कने दो में साथ काम किया। लेडीज़ वर्सेस रिकी बहल 2011 में रिलीज़ हुई और परिणीति चोपड़ा की बॉलीवुड में शुरुआत हुई।

कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा को आया हार्ट अटैक, अस्पताल में भर्ती

मशहूर डांसर और कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा को हार्ट अटैक आया है। खबरों के अनुसार उनको हार्ट अटैक आने के बाद उन्हें कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस?पताल में रेमो डिसूजा की पत्नी लिजेल साथ हैं।

खबरों के मुताबिक रेमो डिसूजा की एंजियोप्लास्टी सर्जरी की गई है और उनकी हालत अब स्थिर है। रेमो डिसूजा को हार्ट अटैक कब, कैसे आया इसकी जानकारी अभी नहीं लग पाई है। कोरियोग्राफी के लिए मशहूर रेमो डिसूजा फालतू और एबीसीडी जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वह डांस एकेडमी भी चलाते हैं जहां हर साल कई युवा डांसर्स को प्रशिक्षण भी देते हैं। इसके अलावा वो स्टार प्लस के मशहूर डांस रियालिटी शो डांस प्लस को जज भी करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सिंघू बॉर्डर पर लगा कूड़े का अंबार, किसानों ने कहा- ज्यादातर सफाई खुद ही कर रहे

नयी दिल्ली। दिल्ली के सिंघू बॉर्डर पर बीते 15 दिन से बड़ी संख्या में किसान कृषि सुधार कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां अब कूड़े का अंबार लग गया है। कई किसानों की शिकायत है कि उन्हें प्रदर्शन स्थल की साफ-सफाई के लिये प्रशासन की ओर से बहुत कम मदद मिल रही है। कागज और प्लास्टिक के गिलासों के ढेर, बोतलें, फलों के छिलके, खाना बनाने से होने वाला कूड़ा,गंदे शौचालय और ठहरा हुआ पानी बदूब पैदा कर रहे हैं, जिससे प्रदर्शन स्थल की हालत बदतर हो गई है। पच्चीस नवंबर से यहां डटे करनाल के एक किसान ने कहा, नगर निगम के कर्मचारी एक बार ही साफ-सफाई के लिये आते हैं। सफाई के अधिकतर प्रयास किसानों को ही करने पड़ रहे हैं। दिल्ली और हरियाणा दोनों ओर नगर निगमों के कर्मचारी प्रदर्शन स्थल पर साफ-सफाई करते देखे जा सकते हैं, लेकिन किसानों का कहना है कि बड़ी तादाद में लोगों के जमा होने के चलते यहां सफाई रखने के लिये इतना काफी नहीं हैं। पंजाब के रामगढ़ के निवासी प्रदर्शनकारी गुरविंदर सिंह ने कहा, कई दिनों से शौचालयों की सफाई नहीं हुई है। सरकार की ओर से कोई मदद नहीं मिल रही।

पोषण करने वालों का शोषण बंद करे भाजपा सरकार: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा सरकार हृदयहीन रवैया अपनाकर किसानों की घोर उपेक्षा कर रही है और सरकार को पोषण करने वालों का शोषण बंद करना चाहिए। यादव ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा, ''सड़कों पर ठिठुरते आंदोलनकारियों की जायज़ माँगों को लेकर भाजपा सरकार हृदयहीन रवैया अपनाकर किसानों की घोर उपेक्षा कर रही है। इस पर जो वैश्विक प्रतिक्रिया आ रही है,उससे दुनियाभर में भारत की लोकतांत्रिक छवि को गहरी ठेस पहुँची है। भाजपा सरकार पोषण करनेवालों का शोषण करना बंद करे।''
समाजवादी पार्टी किसानों के आंदोलन का समर्थन कर रही है। किसानों के आंदोलन के समर्थन में यादव और पार्टी कार्यकर्ता सोमवार को सड़कों पर भी उतरे थे और उन्होंने धरना प्रदर्शन किया था। इस मामले में यादव और सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ गौतम पल्ली पुलिस थाने में मामला भी दर्ज हुआ था।

खतरे में शिमला का टूरिज्म! पर्यटकों के लिए तरस रहे हैं घुड़सवारी वाले, रोजगार हुआ ठप

शिमला (हिमाचल प्रदेश) (एएनआई)। हिमाचल प्रदेश की सबसे लोकप्रिय टूरिज्म डेस्टिनेशन शिमला में हर साल पर्यटकों का भारी मात्रा में जमवड़ा लगता था। बर्फबारी के मौसम के दौरान तो शिमला मनाली में होटल मिलना मुश्किल होता था लेकिन कोरोना वायरस का कहर इस हिल स्टेशन पर ऐसा हुआ कि यहां का पर्यटन काफी हद कर ठप हो गया है। घूमने फिरने के शौकीन लोग घूनमे आ रहे हैं लेकिन बहुत ही कम मात्रा में, पर्यटकों के घूमने फिरने का तरीका काफी बदल गया है। लोग घूमने आते हैं और केवल आपनी गाड़ियों में घूमते हैं और खूबसूरती को देख कर चले जाते हैं।
शिमला में जिन लोगों के घर का गुजारा पर्यकटों पर निर्भर करता था अब वह पर्यटकों के लिए तरस रहे हैं। शिमला में होने वाली मशहूर घुड़सवारी अब पर्यटक न के बराबार कर रहे हैं। महामारी के कारण शिमला के घुड़सवारों का व्यवसाय प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है। 8 महीने से अधिक समय से, ये घुड़सवार पर्यटकों के लिए तरस रहे हैं।
एक घुड़सवार ने कहा, 'हम बर्फबारी के दौरान अच्छे व्यवसाय की उम्मीद कर रहे थे लेकिन COVID-19 ने सब बर्बाद कर दिया है। हमारे व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पहले, हम उम्मीद कर रहे थे कि लॉकडाउन के बाद, हमारा व्यापार बढ़ेगा लेकिन कुछ भी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ है। ब्रिटिश काल से घुड़सवार शिमला की शान हैं।

मध्य प्रदेश के जबलपुर के तार हवाला कारोबारियों से जुड़े, रेलवे स्टेशन पर हवाला के 25 लाख रुपए जब्त

जबलपुर। मध्य प्रदेश की संस्कारधानी कहे जाने वाले जबलपुर शहर में पिछले कुछ माह में हवाला कारोबार से जुड़ी भारी रकम बरामद की गई है। वही बुधवार को एक बार फिर से मुख्य रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ कर्मियों ने एक युवक को उस वक्त पकड़ा जब वह मुम्बई जाने के लिए ट्रेन में बैठ रहा था। युवक के बैग की तलाशी लेने पर 25 लाख रुपए नगद मिले हैं। सूचना पर आयकर अधिकारियों ने पहुंचकर कर युवक से पूछताछ शुरू कर दी है। आरपीएफ के डीआईजी अरुण त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार रात को गरीब रथ के आगमन के समय प्लेटफार्म नंबर एक के बाहर वैन रुकी, जिसमें से एक युवक बैग लेकर उतरा। वैन ड्राइवर से उसकी बहस हो रही थी, उसी समय प्लेटफार्म पर गरीब रथ आकर रुकी। गेट पर दोनों की बहस आरपीएफ का एक जवान देख रहा था। वजह पूछने के लिए उसने युवक को आवाज लगाई तो युवक अनसुना कर तेजी से बैग लेकर गरीब रथ की ओर बढ़ा। युवक बैग लेकर कोच में सवार हो गया। तभी पीछे से आरपीएफ जवान भी पहुंच गया और उसने विवाद की वजह पूछी, तो वह सकपका गया। शक होने पर उसका बैग खुलवाया, तो उसमें 500-500 रुपए के नोट थे।

आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता से एक साथ खड़े हैं भारत और उज्बेकिस्तान: मोदी

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता से एक साथ खड़े हैं और उग्रवाद, कट्टरवाद तथा अलगाववाद के बारे में दोनों देशों की चिंताएं भी एक जैसी हैं। भारत-उज्बेकिस्तान आभासी शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मीरजियोयेव से चर्चा की शुरुआत करते हुए अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, ''उग्रवाद, कट्टरवाद तथा अलगाववाद के बारे में हमारी एक जैसी चिंताएं हैं। हम दोनों ही आतंकवाद के ख़िलाफ़ दृढ़ता से एक साथ खड़े हैं। क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर भी हमारा एक जैसा नजरिया है।'' प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही अफगानिस्तान में शांति की बहाली के लिए एक ऐसी प्रक्रिया की आवश्यकता जताई जो स्वयं अफगानिस्तान की अगुआई, स्वामित्व और नियंत्रण में हो। उन्होंने कहा, ''पिछले दो दशकों की उपलब्धियों को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है।''

मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी भी मजबूत हुई है और भारत, उज्बेकिस्तान के साथ विकास की भागीदारी को भी और घनिष्ट बनाना चाहता है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि भारतीय ''लाइन ऑफ क्रेडिट'' के अंतर्गत कई परियोजनाओं पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''उज्बेकिस्तान की विकास प्राथमिकताओं के अनुसार हम भारत की विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। अवसंरचना, सूचना और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत में काफी काबिलियत है, जो उज्बेकिस्तान के काम आ सकती है।'' भारत और उज्बेकिस्तान के बीच कृषि संबंधी संयुक्त कार्यकारी समूह की स्थापना को प्रधानमंत्री ने एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम बताया और कहा कि इससे दोनों देश अपने कृषि व्यापार बढ़ाने के अवसर खोज सकते हैं जिससे दोनों देशों के किसानों को मदद मिलेगी। मोदी ने कहा कि मीरजियोयेव के नेतृत्व में उज्बेकिस्तान में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहे हैं और भारत भी सुधार के मार्ग पर अडिग हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि कोविड-19 के बाद की दुनिया में दोनों देशों के बीच सहयोग की संभावनाएं और बढ़ेंगी। उन्होंने दोनों देशों के बीच सुरक्षा साझेदारी को द्विपक्षीय संबंधों का एक मजबूत स्तम्भ बताया और पिछले वर्ष हुए सशस्त्र बलों के पहले संयुक्त सैन्य अभ्यास का जिक्र किया। उन्होंने कह, ''अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्रों में भी हमारे सयुंक्त प्रयास बढ़ रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने कोविड-19 महामारी के इस समय में दोनों

देशों द्वारा एक-दूसरे को किए गए भरपूर सहयोग पर संतोष जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान दो समृद्ध सभ्यताएं हैं और प्राचीन समय से ही निरंतर आपसी संपर्क में रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के प्रदेशों के बीच भी सहयोग बढ़ रहा है। उन्होंने इसके लिए गुजरात और अन्दिजों की सफल भागीदारी के मॉडल को इसका उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर अब हरियाणा और फरगाना के बीच सहयोग की रूपरेखा बन रही है।

ममता बनर्जी ने भाजपा नेतृत्व की तुलना एडोल्फ हिटलर और बेनितो मुसोलिनी से की

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर करारा प्रहार करते हुए उसके नेतृत्व की तुलना तानाशाहों - एडोल्फ हिटलर और बेनितो मुसोलिनी से की और आरोप लगाया कि पार्टी दुष्प्रचार में लगी हुई है। भगवा पार्टी के मुखर आलोचकों में से एक बनर्जी ने कहा कि उसने (भाजपा ने) अपने विरूद्ध चल रहे आंदोलनों का तोड़ने के लिए 'पटकथा तैयार' कर ली है और वह किसान आंदोलन के साथ ऐसा ही प्रयास कर रही है। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ने बुधवार को शहर में उनके निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर में हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा केसंपर्क कार्यक्रम की आलोचना की और कहा कि उसमें बहुत कम लोग थे। भाजपा नेतृत्वकी तानाशाहों -एडोल्फ हिटलर, बेनितो मुसोलिनी से और निकोले काक्सेकू से तुलना करते हुए बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस की किसान शाखा की विरोध रैली में कहा कि ''नरेंद्र मोदी की पार्टी

(भाजपा) अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दुष्प्रचार में लगी हुई है। '' उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोगों का ध्यान बांटने और अपने विरूद्ध आंदोलन का तोड़ने के लिए 'पटकथा तैयार' कर ली है और वह किसान आंदोलन के साथ ऐसा ही कर रही है।

उन्होंने कहा, ''नरेंद्र मोदी सरकार लोकतंत्र या संघीय ढांचे के सिद्धांतों या संविधान का पालन नहीं कर रही है तथा वह राज्य सरकार के क्षेत्राधिकार में अतिक्रमण कर रही है। '' बनर्जी ने दावा किया कि 400 सांसद होने के बाद भी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने ऐसी चीजें करने का दुस्साहस नहीं किया '' लेकिन भाजपा करीब 300 सांसदों के साथ, मन में जिस किसी कानून की इच्छा होती है, लागू कर रही है और आम आदमी को हितों को नुकसान पहुंचा रही है।'' अम्फान चक्रवात के सिलसिले में राहत कोष का लेखा-जोखा मांगने पर उन्होंने कहा, '' हम पहले यह जानना चाहते हैं कि पीएम केयर्स फंड का क्या हुआ।'' प्रधानमंत्री द्वारा नये संसद भवन की आधारशिला रखे जाने को 'स्टंट' करार देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए आवंटित राशि किसानों को उनके लाभ के लिए दी जा सकती थी क्योंकि ''वर्तमान संसद भवन फिलहाल पर्याप्त हो सकता है।'' उन्होंने कहा कि नये कृषि कानूनों के जरिये किसानों के अधिकार छीने लिये गये है और अब उनकी ऊपज कोरपोरेट बलपूवर्क खरीदेंगे तथा लोगों को ऊंचे दामों पर खाद्यान्न खरीदना होगा। तृणमूल सुप्रीमो ने कहा कि भाजपा बंगाल की नहीं बल्कि दिल्ली और उससे कहीं ज्यादा गुजरात की पार्टी है।

हिंद महासागर में रणनीति स्थानों के लिए बढ़ी होड़: सीडीएस जनरल बिपिन रावत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने हिंद महासागर में विभिन्न देशों की बढ़ती सक्रियता का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री क्षेत्र में विभिन्न अभियानों में मदद के लिए क्षेत्र से इतर देशों के बलों के 120 से अधिक जंगी जहाज तैनात किए गए हैं। जनरल रावत ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित वैश्विक सुरक्षा शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में ''सामरिक स्थानों और अड्डों के लिए होड़'' मची हुई है तथा आने वाले समय में इसमें और तेजी आने वाली है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में अधिक से अधिक देशों की बढ़ती सक्रियता इसके रणनीतिक महत्व को दिखाता है।

जनरल रावत ने कहा, ''अभी हिंद महासागर क्षेत्र में विभिन्न अभियानों में मदद के लिए क्षेत्र से इतर देशों के बलों के 120 से अधिक जंगी जहाज तैनात हैं। क्षेत्र में अब तक कुल मिलाकर शांति बनी हुई है। हिंद महासागर भारतीय नौसेना के लिए काफी मायने रखता है क्योंकि इस क्षेत्र में भारत के रणनीतिक हित हैं और चीन लगातार अपनी मौजूदगी बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। वैश्विक ताकत बनने के लिए भारत की आकांक्षाओं का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि ''मुश्किलें पैदा करने वाले पड़ोसियों'' और क्षेत्र में बढ़ती होड़ के बावजूद भारत को इस दिशा में काम करना होगा।

भारत में सूखे की आधी घटनाएं उत्तरी अटलांटिक वायु प्रवाह के कारण : अध्ययन

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

भारत में पिछली सदी में ग्रीष्मकालीन मानसून मौसम के दौरान सूखा पड़ने की लगभग आधी घटनाएं संभवतः उत्तरी अटलांटिक क्षेत्र की वायुमंडलीय गड़बड़ियों की वजह से हुईं। यह बात भारतीय विज्ञान संस्थान (आइआइएससी) के पर्यावरणीय एवं समुद्री विज्ञान केंद्र (सीएओएस) द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में कही गई है जो शोध पत्रिका 'साइंस' में प्रकाशित हुआ है।

वार्षिक भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून पर एक अरब से अधिक आबादी निर्भर है जिसमें जून से सितंबर के बीच देश में अच्छी-खासी बारिश होती है। जब यह मानसून विफल होता है तो देश के अधिकांश हिस्सों में सूखा पड़ता है जिसकी सामान्य वजह बार-बार होने वाले जलवायु घटनाक्रम 'अल नीनो' को बताया जाता है जिसमें भूमध्यवर्ती प्रशांत महासागरीय गर्म जल नमी से लैस बादलों को भारतीय उपमहाद्वीप से दूर खींच लेता है।

नए अध्ययन में कहा गया है कि भारत में पिछली सदी में सूखा पड़ने की 23 घटनाओं में से 10 तब हुईं जब 'अल नीनो' मौजूद नहीं था। तब सूखा पड़ने की इन घटनाओं का कारण क्या हो सकता है? आइआइएससी के अध्ययन में कहा गया है कि सूखा पड़ने की ये घटनाएं अगस्त के अंत में बारिश में अचानक अत्यधिक कमी आने की वजह से हुईं। संस्थान ने कहा कि बारिश में कमी की ये घटनाएं उत्तरी अटलांटिक महासागर के ऊपर मध्य अक्षांश पर पर्यावरणीय प्रवाह बनने से जुड़ी थीं जो उपमहाद्वीप के ऊपर फैल गया और मानसून को पटरी से उतार दिया।

लालू यादव को कोर्ट से फिर लगा बड़ा झटका, जमानत पर 6 हफ्ते के लिए टली सुनवाई

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने चारा घोटाले के एक मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई उनके वकील के अनुरोध पर छह सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। उच्च न्यायालय की कार्यवाही प्रारंभ होते ही यादव

के अधिवक्ता देवर्षि मंडल ने अपने मामले का उल्लेख कर सुनवाई के लिए छह सप्ताह बाद का समय निर्धारित करने का अनुरोध किया, जिस पर केन्द्रीय जांच ब्यूरो के अधिवक्ता ने भी रजामंदी जतायी। यादव के अधिवक्ता के अनुरोध और सीबीआई की रजामंदी के बाद न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने दुमका कोषागार से गबन से जुड़े चारा घोटाले के इस मामले में लालू की जमानत याचिका पर सुनवाई छह सप्ताह बाद निर्धारित करने के निर्देश दिये। अब जमानत याचिका पर सुनवाई 22 जनवरी को होगी। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को एक पूरक हलफनामा दाखिल कर कहा था कि यादव ने लगातार जेल नियमावली का उल्लंघन किया है और उनकी तबियत अब स्थिर है लिहाजा उन्हें रिम्स से बिरसा मुंडा जेल भेज दिया जाना चाहिए।

शरद पवार केंद्र सरकार से कहा, किसानों की सहिष्णुता का इम्तिहान न लें

मुंबई। (एजेंसी)।

केंद्र के नये कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को सरकार से कृषकों की सहिष्णुता का इम्तिहान नहीं लेने का आह्वान किया। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि यदि सरकार ने किसानों की मांगों पर समय से निर्णय नहीं लिया तो दिल्ली की सीमाओं पर चला रहा प्रदर्शन अन्यत्र भी फैल सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा विस्तृत चर्चा की मांग किये जाने के बावजूद संबंधित कृषि विधेयक संसद में 'हड़बड़ी' में पारित किये गये थे। विभिन्न राज्यों के किसान इन कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर करीब दो सप्ताह से दिल्ली के सिंघू, टिकरी, गाजीपुर और चिल्ला बार्डरों पर डेरा डाले हुए हैं। किसानों का कहना है कि ये कानून न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का सुरक्षा जाल खत्म कर देंगे और उनकी आमदनी पक्की करने वाली मंडियां भी हट जाएंगी। लेकिन सरकार के अनुसार एमएसपी व्यवस्था जारी रहेगी तथा नये कानून किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए और विकल्प उपलब्ध करायेंगे। पवार ने कहा, '' आज किसानों ने कानूनों को वापस लेने की कड़ी मांग की है और कहा है कि इस मुद्दे पर बाद में चर्चा की जा सकती है। लेकिन इस पर केंद्र का रूख अनुकूल नहीं जान पड़ता है। इसलिए ऐसे संकेत हैं कि गतिरोध कुछ और दिन चल सकता है।'' वरिष्ठ नेता ने कहा कि करीब 700 टैक्टरों से और लोग शुक्रवार सुबह प्रदर्शन से जुड़ने के लिए दिल्ली बार्डर पर पहुंचे। उन्होंने कहा,'' यह प्रदर्शन दिल्ली के बार्डर तक सीमित है। लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि यदि समय पर निर्णय नहीं लिया गया तो यह अन्यत्र भी फैल सकता है।'' राकांपा नेता ने कहा, ''हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि किसान देश का अन्नदाता है और उसकी सहिष्णुता का इम्तिहान नहीं लिया जाना चाहिए।'' पवार ने बृहस्पतिवार को मीडिया में आयी इन अटकलों को खारिज किया कि वह संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के अध्यक्ष बन सकते हैं। उन्होंने कहा, ''यह झूठी खबर है। ऐसी झूठी खबरें न चलाएं।''

सुप्रीम कोर्ट ने काला धन जब्ती का कानून बनाने के लिए केंद्र को निर्देश देने से किया इनकार, जानें क्या कहा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने बेनामी, बेहिसाबी संपत्ति और ब्लैक मनी यानी काला धन जब्त करने का कानून बनाने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दो-टूक कहा है कि कानून बनाना संसद का काम है न्यायपालिका इसके लिए आदेश नहीं दे सकती है। न्यायपालिका को विधायिका और कार्यपालिका की भूमिका निभाने के लिए नहीं कहा जा सकता है।

न्यायपालिका में ज्वलंत मसलों को रखने वाले भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की ओर से यह याचिका दाखिल की गई थी। हालांकि जस्टिस संजय किशन कौल , जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस ऋषिकेष रॉय की पीठ ने उपाध्याय को इस बारे में विधि आयोग के समक्ष प्रतिवेदन देने की इजाजत दे दी।

सर्वोच्च अदालत के मुताबिक, प्रतिवेदन में विधि आयोग से मौजूदा कानूनों में संशोधन करने या नया कानून बनाकर ब्लैक मनी जमा करने के अपराध में सजा का प्रावधान करने की संभावना तलाशने की गुजारिश की जा सकती है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि न्यायपालिका से यह नहीं कहा जा सकता है कि वह सारी भूमिकाएं अपने हाथ में ले ले। संविधान में भी ऐसी ही परिकल्पना है। न्यायपालिका का काम निगरानी का है।

सर्वोच्च अदालत ने जनहित के मामले उठाने को लेकर उपाध्याय के अच्छे कार्यों की सराहना की साथ ही कहा कि यह अब 'पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटीगेशन' बनता जा रहा है। बेशक याचिकाकर्ता ने अच्छे कार्य किए हैं लेकिन हम इस जनहित याचिका पर विचार नहीं कर सकते है। सुनवाई के दौरान उपाध्याय की ओर दलील दी गई कि राम जेठमलानी ने भी कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट में ऐसे ही मसले उठाए थे।

याचिकाकर्ता उपाध्यय की ओर से पेश हुए वकील गोपाल शंकर नारायणन ने कहा कि इस मसले पर कानून बनाने के बारे में पूरी तरह से इच्छा शक्ति का अभाव नजर आता है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि कानून बनाना संसद का काम है और न्यायपालिका संसद को कानून बनाने के लिए आदेश नहीं दे सकती है। याचिकाकर्ता को इस मसले पर जन प्रतिनिधियों को कानून बनाने के लिए तैयार करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिश्ते में चाचा ने नाबालिग से किया दुष्कर्म

गोरखपुर (एजेंसी)। जिले के चिलुआताल क्षेत्र के एक गांव में रिश्ते को तार-तार करते हुए एक चाचा ने अपनी १३ साल की सगी भतीजी के साथ दुष्कर्म किया। परिवारीजनों को जब इसकी खबर हुई तो बच्ची के पिता ने इस मामले में पुलिस में तहरीर दी। पुलिस ने रेप और पाक्सो एक्ट की धारा में केस दर्ज कर जांच शुरूकर दी है। बच्ची का मेडिकल कराया जा रहा है। उधर, घटना के बाद से चाचा फरार है पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

जानकारी के मुताबिक इलाके के एक गांव के रहने वाली पीड़ित बच्ची के पिता ने थाने में दिए तहरीर में बताया कि नौ दिसम्बर को अपने भाई और १३ साल की अपनी बेटी को साथ लेकर गाँव से कुछ दूरी पर स्थित एक दूसरे गांव में शादी समारोह में शामिल होने गया था। रात में करीब आठ बजे बेटी ने घर जाने की जिद करना शुरूकर दिया। मैने अपने भाई के साथ उसे घर भेज दिया। रात में करीब दस बजे जब मैं घर पहुंचा तो पता चला कि बेटी अभी तक घर नहीं पहुंची है। भाई भी घर नहीं पहुंचा था। घर और गांव में तलाश करने के बाद वापस फिर उन्हें ढूढ़ने निकला और गाँव के बाहर पहुंचा तो देखा कि बेटी अर्द्धनग्न अवस्था में खड़ी रो रही थी। घर आने के बाद उसने अपनी मां से अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया। बेटी के साथ रेप की घटना सामने आने के बाद उसके पिता ने अपने सगे भाई के खिलाफ केस दर्ज कराया। उधर, घटना के बाद से ही भाई फरार है पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

मैनपुरी अंतरजातीय विवाह करने पर ऑनर किलिंग की संभावना

मैनपुरी(एजेंसी) किशनी।पिछड़ी जाति की लड़की को दलित युवक के साथ प्रेम विवाह करना तब भारी पड़ गया जब भाई ने प्यार दिखाकर बहाने से उसे गांव बुला लिया और परिजनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी।पति के आरोपों पर शव की तलाश में दिल्ली पुलिस ने स्थानीय पुलिस के साथ खेत की खुदाई कराई।

जनपद प्रतापगढ़ के लालगंज थाना क्षेत्र के गांव टोंडरपुर निवासी अर्जुन जाटव पुत्र राजेश कुमार दिल्ली के त्रिलोकपुरी में रहकर एक फैक्ट्री में वायरिंग का कार्य करता है। वहां पिछली ८ सालों से उसका चांदनी बाथम पुत्री उदयवीर निवासी कश्यपनगर फरेंजी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। चांदनी दिल्ली में अपनी बुआ के यहां रहती थी।आठ साल तक प्रेम की गंगा में गोते लगाने के बाद दोनों ने एक साथ जीने मरने की कसमें खाईं और छः माह पूर्व १२ जून को अर्जुन चांदनी को अपने साथ प्रतापगढ़ ले गया।वहां उसने एक मंदिर में चांदनी से हिन्दू रीति रिबाज से प्रेम विवाह कर लिया।तीन माह पूर्व अर्जुन चांदनी को वापस दिल्ली ले आया।शादी से चांदनी के परिजन

दिल्ली पुलिस ने खेत में जेसीबी से कराई खुदाई,नहीं मिला शव

इसलिए खुश नहीं थे कि वह जाटव समाज से था ।इसी कुंठा के चलते १७ नवम्बर को चांदनी का भाई सुनील उसको छत पर लेंटर डालने के अवसर पर मदद के बहाने गांव कश्यपनगर ले आया। गौरतलब है कि जो भाई उसे लेकर आया उसपर ही चांदनी अटूट विश्वास और प्रेम करती थी।घर आने के बाद अर्जुन का चांदनी से सम्पर्क नहीं हो पाया।शंका होने पर वह २३ नवम्बर को अर्जुन अपनी माँ व परिजनों सहित चांदनी के गांव कश्यपनगर आया।जहां चांदनी के परिजनों ने बताया कि चांदनी दिल्ली उसी के पास बापस चली गई है।अर्जुन के दिल्ली पहुंचने पर उसे चांदनी वहां नहीं मिली तथा उसका मोबाइल भी लगातार स्विचऑफ था। चांदनी न मिलने पर उसने मयूर बिहार थाने में चांदनी के भाई सुधीर व सुनील के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया।

केस दर्ज होते ही पुलिस हरकत में आई और पुलिस ने चांदनी के भाई सुधीर को हिरासत में ले लिया।पुलिस ने अनुसार सुधीर ने बहन को गोली मारकर अपने खेत पर जमीन में गाड़े जाने की बात बताई है ।गुरुवार को दिल्ली पुलिस के मयूर बिहार थाने के एसआई मनोज कुमार तोमर,एएसआई कैलाशचंद्र,राकेश सिंह,

हेड कॉन्स्टेबल उपेंद्र एवं विजय कुमार किशनी थाने आये।उन्होंने थानाध्यक्ष अजीत सिंह,एसएसआई जैकब फर्नांडीज और पुलिस बल के साथ सुधीर को उसके खेतों पर ले जाकर पहले फावड़ा तथा बाद में जेसीबी से खुदाई शुरूकराई।

काफी देर तक जेसीबी से खुदाई होने के बाद भी पुलिस को किसी प्रकार का नरकंकाल नहीं मिला।देर सांय तक दो घण्टे खुदाई होने के बाद शव न मिलने पर पुलिस वापस लौट आयी। एसआई मनोज कुमार तोमर ने बताया कि शुक्रवार को दोबारा खुदाई कराई जाएगी।

सार–समाचार

अवैध संबंध में बाधक बन रहे पति को पत्नी ने उतारा मौत के घाट

शाहजहांपुर (एजेंसी)।शाहजहांपुर जिले में एक महिला ने अवैध संबंध में बाधक बन रहे अपने पति को मौत के घाट उतार दिया है। इस मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में पता चला कि मृतक की पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या की है। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि शाहजहांपुर जिले के थाना कोतवाली अंतर्गत काशीराम कॉलोनी में रहने वाले संजय उर्फ कल्लू की पत्नी के संबंध अजीजगंज में रहने वाले सचिन मौर्य से थे। काफी समय बाद जब संजय को दोनों के रिश्ते की बात पता चली तो उसने एतराज जताया। साथ वह अपनी पत्नी को उसके प्रेमी से मिलने पर विरोध करता था। पुलिस ने बताया कि अवैध संबंधों में बाधक बने संजय की उसकी पत्नी रेशमा ने रास्ते से हटाने की योजना बनाई। इसके बाद रेशमा ने अपने प्रेमी सचिन के साथ मिलकर संजय की हत्या करा दी। पुलिस अधीक्षक एस. आनंद ने बताया कि पुलिस ने हत्या के आरोपी रेशमा और सचिन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों से पूछताछ के बाद उनको जेल भेज दिया।

लव जिहाद- शादी के लिए धर्म परिवर्तन के मामले आखिर कैसे होते हैं उजागर, कौन है मुखबिर?

आगरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार के नए लव जिहाद कानून को लेकर इन दिनों बहस छिड़ी है। पिछले दिनों पुलिस के अलग-अलग धर्म की शादियां रुकवाने और धर्म परिवर्तन के कई मामले सामने आए। इनके खिलाफ यूपी विधि विरुद्ध धर्मांतरण प्रतिषेध अध्यादेश-२०२० के तहत कार्रवाई की जा रही है। हालांकि इन सबके बीच सवाल यही है कि आखिर परिवार के बाहर अंतर्जातीय विवाह या रिलेशनशिप के मुखबिर कौन हैं जो इन पर निगरानी रखने पर वाले दक्षिणपंथी गुटों तक जानकारी पहुंचाते हैं।

हाल ही में अलीगढ़ में १८ साल की लड़की जब अपने मुस्लिम बॉयफ्रेंड से मिलने गई तो बीजेपी महिला मोर्चा की प्रतिनिधि ने उसे अपने समुदाय की इज्जत खराब करने के आरोप पर थप्पड़ मार दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था लेकिन हिंदु युवा वाहिनी के दबाव में मुस्लिम शख्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। पिछले तीन सालों से अंतर्जातीय(अलग-अलग धर्म) कपल पर नजर करने वाले दक्षिणपंथी समूह ज्यादा ऐक्टिव हुए हैं। इन समूहों को उनके मुखबिरों से सूचना मिलती हैं जिनमें मकान मालिक से लेकर पड़ोसी, मंदिर मैनेजर, मैरेज रजिस्ट्रेशन ऑफिसर और यहां तक वकील भी शामिल हैं। दक्षिणपंथी गुटों ने बताया कि उनका सिस्टम दो स्तर पर काम करता है। पहला जब अलग-अलग धर्मों के दो लोग रिलेशनशिप में आते हैं और दूसरा जब दोनों शादी का निर्णय लेते हैं। सबसे पहले, अंतर्जातीय जोड़े के करीबी फिर चाहे वह रिश्तेदार हों या उनके आस-पास रहने वाले लोग हों, उनके बारे में सूचना देते हैं। अलीगढ़ से पूर्व बीजेपी मेयर शकुंतला भारती बताती हैं, 'लोग हमारे ऐसे पास आते हैं जैसे मरीज डॉक्टर के पास जाता है।' दक्षिणपंथी संस्था हिंदू स्वाभिमान की अध्यक्ष चेतना शर्मा कहती हैं, 'पहले पैरेंट्स हमारा विरोध करते थे लेकिन अब चीजें बदल रही हैं। अगर एक लड़की किसी मुस्लिम लड़के के साथ जाती है तो उनके पड़ोसी हमें सूचित करते हैं।'

बजरंग दल के अलीगढ़ संयोजक गौरव शर्मा और पश्चिमी यूपी के पूर्व संयोजक बलराज डुंगर कहते हैं, 'हमें बरेली वाले कपल को ढूंढने नहीं जाना पड़ा था।' डुंगर ने बताया कि बरेली वाले कपल के बारे में उनके मकान मालिक ने उन्हें सूचना दी थी। डुंगर कहते हैं, 'सोशल मीडिया के जरिए भी ऐसे कपल को ढूंढा जाता है।' हर साल डुंगर और उनके साथी २० से ३० अंतर्जातीय विवाह रुकवाते हैं। इसके अलावा ये जोड़े जहां शादी करते हैं जैसे कोर्ट या फिर मंदिर वहां पर मौजूद मुखबिर भी जानकारी देते हैं। हिंदू युवा वाहिनी के मेरठ सर्कल के संयोजक संचिन मित्तल बताते हैं, 'हम मंदिरों पर नजर रखते हैं जहां हिंदू लड़कियां मुस्लिम लड़कों के साथ शादी के लिए आती हैं। मंदिर मैनेजर हमें जानकारी देते हैं।' स्पेशल मैरेज ऐक्ट १९५४ के तहत, अंतर्जातीय विवाह के लिए ३० दिन पहले जिला मैजिस्ट्रेट को सूचित करना होता है। अब यूपी में नए कानून के तहत दो महीने पहले से सूचना देना अनिवार्य कर दिया गया है। अलीगढ़ एसपी (क्राइम) अरविंद कुमार ने कहा, 'जब हमें शिकायत मिलती है तो हम विक्टिम या उसके परिवार की तरफ से ऐक्शन लेते हैं।'

मेरठ में पत्नी और तीन बच्चों का गला घोंटकर युवक ने लगाई फांसी

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में एक युवक ने अपनी पत्नी और बच्चों का गला घोटकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना के बार में एसएसपी ने बताया कि यह मामला गृह क्लेश का लग रहा है। फिलहाल जांच की जा रही है। एसएसपी अजय साहनी ने कहा कि मौके से सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें युवक ने लिखा है कि वो अपनी पत्नी से बहुत परेशान था इसलिए उसने ऐसी जघन्य वारदात को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि कस्बा परीक्षितगढ़ के मोहल्ला कसस्यावान में सैंतीस वर्षीय रहीस ने पत्नी रिहाना उम्र ३० वर्ष, बेटा हैदर १० वर्ष, अफान ८ वर्ष बेटी आयत ४ वर्ष की गला घोंटकर हत्या कर दी और खुद फांसी पर झूल कर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर जब पुलिस पहुंची तो युवक का शव फंदे पर लटका हुआ था। साथ ही बच्चों और पत्नी का शव पास में ही बिस्तर पर पड़ा मिला। बेटी पत्नी के साथ एक बिस्तर पर थी। दूसरी तरफ चारपाई पर उसके दोनों बेटों का शव पड़ा था। पुलिस ने बताया कि इन सभी के गले पर फंदे जैसे निशान बने हुए थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, जालौन में एक ५ वर्षीय मासूम बच्ची के साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया। बताया गया कि एक ५ साल की मासूम बच्ची को घर के पास खेलते समय अगवा कर गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया। पीड़ित मासूम के पिता ने कहा ?कि गैंगरेप की इस घटना में गांव के ही तीन लड़के शामिल हैं। उनका आरोप है कि पुलिस लीपापोती करते हुए सिर्फ दो नाबालिग लड़कों को ही इस पूरी वारदात में शामिल मान रही है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस ने दो नाबालिग आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया है।

सिरफिरे पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से काट डाला, सड़क पर फेंका शव

हरदोई (एजेंसी)। जिले के सुरसा थाने के पनुवावर मजरा बल्लीपुर गांव में महिला की उसके पति ने बेरहमी से हत्या कर दी। उसने पिता के ऊपर भी जानलेवा हमला किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को पकड़ लिया। घटना के बारे में पूछने पर आरोपी पति अजीबो-गरीब बयानबाजी कर रहा है। परिजनों के अनुसार वह मानसिक रूप से परेशान है।

जानकारी के मुताबिक गांव पनुवावर निवासी आरोपित कमलेश गांव में अपने पिता व परिवार के साथ रहकर खेतीबाड़ी करता है। गांव के बाहर स्थित मकान में वह गुरुवार रात पत्नी कांति देवी और पिता गिरवर समेत परिवार के साथ सोया था। रात में ही उसने पत्नी कांति देवी पर धारदार हथियार से हमला बोल दिया। वह बाहर भागी तो पीछा करते हुए गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार करके मार डाला। घटना को अन्जाम देने के बाद पत्नी के शव को घसीटकर घर से बाहर रोड पर डाल दिया। कमलेश ने पत्नी कांति देवी की हत्या करने से पहले अपने पिता गिरवर पर भी वार किया, जिसमें उनके हाथ में चोट आई है।

सेक्स एक्सटॉर्शन चलाने वाले गिरोह का पुलिस ने किया भंडाफोड़, २ गिरफ्तार

लखनऊ(एजेंसी)। लखनऊ में सेक्स एक्सटॉर्शन चलाने वाले गिरोह का कमिश्नरेट पुलिस ने खुलासा किया है। साथ ही एक महिला और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि इन लोगों ने कई लोगों के साथ अश्लील वीडियो बनाए और बाद में उन को ब्लैकमेल किया,जो मान गए वह ठीक नहीं तो उनके साथ मारपीट कर रंगदारी भी वसूली गई। पुलिस के मुताबिक गिरोह की महिला सदस्य टारगेट को जाल में फंसाने के बाद उसे शराब पिलाती थी और फिर नशे में उसका अश्लील वीडियो व फोटो बना लेती थी। इसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे कर वसूली करते थे। इस गिरोह में दो युवतियों सहित ५ लोग शामिल हैं जो अधिकारी, डॉक्टर, बड़े कारोबारी व बिल्डर को निशाना बनाते हैं। इस क्रम में गिरोह ने १ दिसंबर को एक डेंटल सर्जन डॉक्टर अखिलेश चौबे के साथ यही कोशिश की,जिसके बाद पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। इस संबंध में लखनऊकमिश्नरेट के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर नीलाब्जा चौधरी ने बताया १ दिसंबर की रात डॉक्टर अखिलेश कुमार चौबे का उन्हीं की कार में कुछ लोगों ने विभूति खंड इलाके से अगवा कर ओमेक्स बिल्डिंग में एक फ्लैट में लेकर गए, जहां पर नीशू उर्फ कहकशा खान मौजूद थी। नीशू उसकी बहन सना उर्फ तबस्सुम उर्फ देवांशी पहले से ही डॉक्टर चौबे के परिचित थे। इस फ्लैट में पहले से ही आदिल, सचिन रावत ,बलराम वर्मा ,प्रवेश जयसवाल और नजर अब्बास भी मौजूद थे। उन्होंने बताया ?कि इस गिरोह ने डॉक्टर अखिलेश को बंधक बनाया और जेब मे रखे ३० हज़ार रूपये निकाल लिए।

इतना ही नहीं, डॉक्टर के चार एटीएम कार्ड भी अपने कब्जे में ले ?लिए और पिन कोड पूछने लगे। जब डॉक्टर ने पिन देने से इनकार किया तो मारपीट करने लगे। जब डॉक्टर ने पिन बताने की बात कही तो डॉक्टर की अल्टो कार से आदिल और नजर अब्बास एटीएम से पैसा निकालने गए लेकिन गलत पिनकोड की वजह से पैसा नहीं निकल पाया। सभी लौटकर फिर फ्लैट में आए और डॉक्टर चौबे मारपीट करने लगे। इसके बाद नशीला पदार्थ पिलाकर यह सभी ने डॉक्टर चौबे की नीशू के साथ अश्लील वीडियो और फोटो बना ली। अगले दिन सभी आरोपियों ने डॉक्टर चौबे से वही वीडियो और फोटो दिखा फिरौती की मांग करने लगे। मांग पूरी नहीं करने पर वीडियो इंटरनेट पर अपलोड करने की धमकी देने लगे। इसके बाद डॉक्टर चौबे ने अपने दोस्त से कहकर कुछ रकम की व्यवस्था की। इसके बाद सभी बदमाश चौबे को गाड़ी में लेकर टेढ़ी पुलिया चौराहे तक ले गए,जहां पर उनका दोस्त डॉक्टर संतोष रकम देने के लिए आया, लेकिन वहीं पर पुलिस खड़ी थी। इसको देखकर अपहर्ता घबरा गए और डॉक्टर उनकी पकड़ से निकल कर पुलिस के पास पहुंच गए। यह कार्रवाई करते हुए पुलिस ने महिला और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है।

फिलहाल पुलिस आरोपी महिला और उसके सहयोगी से पूछताछ कर रही है।

यूपी में कोरोना के १६१३ नए मामले, १४ और मरीजों की मौत

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस से १४ और मरीजों की मौत होने के बाद अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर ८,०२५ हो गई जबकि १६१३ नये मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या ५,६२,७२२ पहुंच गई है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने शुक्रवार को यहां बताया कि राज्य में इस समय २०,४७३ मरीजों का इलाज चल रहा है जिनमें से ९,४७३ लोग होम आइसोलेशन में हैं। उन्होंने बताया कि अब तक ५,३४,२२४ लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि पिछले २४ घंटे में १८७५ लोगों को उपचार के बाद घर भेजा गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में स्वस्थ होने की दर बढ़कर ९४.९४ प्रतिशत पर है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को कोविड-१९ के लिए १.६८ लाख से अधिक नमूनों का परीक्षण किया गया जबकि राज्य में अब तक किए गए परीक्षणों की कुल संख्या २.११ करोड़ से अधिक हो गई है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि ६० साल से अधिक उम्र के लोगों में संक्रमण बढ़ रहा है। उन्होंने अनुरोध किया कि बुजुर्ग, बीमार, छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाओं को अनावश्यक घर से बाहर नहीं जाना चाहिए।

भरी पंचायत में युवक को मारी गोलियां, वाराणसी रेफर

आजमगढ़ (एजेंसी)। जिले में शुक्रवार को बाइक सवार बदमाशों ने पंचायत के दौरान ही ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। दो गोलियां लगने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले सीएचसी अहरौला फिर जिला अस्पताल लाया गया।

यहां हालत गंभीर होने पर वाराणसी रेफर कर दिया गया। बताया जाता है कि मोबाइल छिनैती के मामले को लेकर पंचायत हो रही थी।

जानकारी के मुताबिक अहरौला थाना क्षेत्र के अभयपुर गांव निवासी परवेंदर यादव नौ दिसंबर को अपने खेत में सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान दो युवकों ने उनकी मोबाइल छीन ली। मोबाइल छिनैती की इस घटना को गांव के ही रहने वाले ३२ वर्षीय दुर्गविजय ने देखा था। छिनैती की इस घटना को लेकर शुक्रवार की सुबह गांव में पंचायत थी। परवेंदर के परिजन व गांव के कुछ लोग पंचायत के दौरान दुर्गविजय से मोबाइल छीनने वालों के बारे में पूछताछ कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक मौके पर पहुंचे।

युवकों ने पहुंचते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। कुल पांच गोलियां चलाई। इसमें दो गोलियां दुर्गविजय को लगीं। मौके पर अफरातफरी मच गई। इसी बीच हमलावर भाग निकले।

घायल को तत्काल सीएचसी अहरौला ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख जिला अस्पताल भेज दिया। जिला अस्पताल से डाक्टरों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। घटना के बाबत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में पिछले २४ घंटों में घना कोहरा छाया रहा। वहीं ठण्डी हवाओं के झोंकों ने भी लोगों का परेशान किया। मौसम विभाग ने शुक्रवार को यहां बताया कि प्रदेश में सबसे अधिक तापमान झांसी में ३२.९ डिग्री सेल्सियस रहा

जबकि चुर्क में सबसे कम तापमान ७.८ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के मुताबिक शुक्रवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है जबकि राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

वहीं प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्का और कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाये रहने का अनुमान है।

पूर्व सपा विधायक अनवर हाशमी की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

बलरामपुर (एजेंसी)। जिला जेल में बंद समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक डॉ. आरिफ अनवर हाशमी की करोड़ों रूपये की सम्पत्तियों को जिला प्रशासन के आदेश पर शुक्रवार को कुर्क कर लिया गया। एक डिग्री कॉलेज व तीन इंटर कॉलेज का भवन कब्जे में लिया गया है। जिला अधिकारी के आदेश के अनुपालन मे उतरौला, रेहरा और सादुल्ला नगर थाना क्षेत्रो मे स्थित पूर्व विधायक की सम्पत्तियों को कुर्क करने की कार्रवाई की गई है।

आरिफ अनवर हाशमी ने इन सम्पत्तियो को आपराधिक कृत्य के जरिये अर्जित किया था। उन पर धोखाधड़ी और सरकारी जमीनो पर अवैध कब्जा करने का मुकदमा दर्ज किया गया था। इन अपराधों के आरोप मे पूर्व विधायक पिछले कई महीनो से जिला कारागार मे बंद है। जिला अधिकारी करूणा करुणेश ने उत्तर प्रदेश गैंगेस्टर ऐक्ट के तहत कुर्की की कार्यवाही का आदेश दिया है। कुर्की के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अरविन्द कुमार मिश्र, पुलिस उपाधीक्षक राधा रमण सिंह, उपजिलाअधिकारी एके गौड सहित विभिन्न थाना क्षेत्रो की पुलिस मौजूद रही। कुर्क की गई सम्पत्तियों मे कई शिक्षण संस्थाओ के अलावा पेट्रोल पम्प आदि से जुडी करोड़ों रूपये की बेशकीमती सम्पत्तियां शामिल है जिन पर मुनादी के बाद लाल झंडा गाड़ कर कार्यवाही को पूरा किया गया।

पुलिस अधिकारी उतरौला स्थित एजी हाशमी डिग्री कॉलेज पहुंचे। वहां भवन परिसर में लाल झंडी व संपत्ति जब्त किए जाने संबंधी आदेश का बोर्ड लगा दिया। इसी तरह एजी हाशमी इंटर कॉलेज बरायल व एजी हाशमी इंटर कॉलेज मोहनजोत का भवन व उसके नाम दर्ज जमीन कुर्क की गई है।

जिलाधिकारी ने बताया कि पूर्व विधायक के नाम दर्ज अभी और भी संपत्तियां जब्त की जाएगी।

तहसील में कराये नौ कन्याओं के पीले हाथ

सासनी (एजेंसी)। तहसील परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत ९ जोड़ों ने एक-दूजे का हाथ थामा। विवासह समरोह में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक अफसरों ने वर-वधू को आशीर्वाद दिया। साथ ही, नवदंपति को हंसी-खुशी से उपहार देकर विदा दिया।

सामूहिक विवाह में सांसद राजवीर सिंह दिलेर ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत गरीब परिवारों की बेटियों के हाथ पीले कराए गए हैं।

कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की तरफ से संचालिक अनेक योजनाओं को देश के लोग लाभांवित हो रहे हैं।

लेकिन राजनीतिक दल किसान कानून की आड़ में रोटियां सेंकने में लगे हैं।

एसडीएम राजकुमार यादव ने कहा कि बेटियां परिवार की बोझ नहीं, बल्कि परिवार की शान हैं। कार्यक्रम में विषिश्ट अतिथि के रूप में सदर विधायक हरीषंकर माहौर ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत गरीब परिवार की बेटियों

की शादी में सहयोग देना प्रदेश सरकार महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

इस योजना के माध्यम से बेटियों की शादी के लिए परेशान गरीब परिवार को बहुत मदद मिलती है। सरकार इसी तरह के कई जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका जागरूक होकर लाभ ले सकते हैं।

उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित विभागीय अधिकारियों की है।

इस दौरान ब्लाक प्रमुख श्रीमती राजवाला ठेनुआं, खंडविकास अधिकारी एके मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी आरबी भाश्कर, नायब तहसीलदार श्रीमती निधि भारद्वाज, नायब तहसीलदार रामगोपाल यादव, कानूनगो षिवा यादव, एडीओ पंचायत फूलसिंह, लेखपाल पुलिस अफसर एवं हेमसिंह ठेनुआं, सत्येन्द्र सिंह, कुलदीप सिंह, सुषील प्रभाकर, ठा. अविनाष, बबलू, आदि मौजूद रहे।

विवाह समरोह में अंजली पाठक संग दीपक, आरती संग देवेन्द्र, वर्शा संग अरविंद, रचना संग आकाष, मधू संग नीरज, स्वेता संग रामगोपाल, सरिता संग लवकुष, ऊशा संग अजय कमलेष संग आकाष का विवाह संपन्न कराया गया।

सरकार की ओर से दिए जाने वाला दान दहेज देकर बेटियों को ससुराल के लिए विदाई दी गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता से एक साथ खड़े हैं भारत और उज्बेकिस्तान: मोदी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता से एक साथ खड़े हैं और उग्रवाद, कट्टरवाद तथा अलगाववाद के बारे में दोनों देशों की चिंताएं भी एक जैसी हैं। भारत-उज्बेकिस्तान आभासी शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मीरजियोयेव से चर्चा की शुरुआत करते हुए अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, ''उग्रवाद, कट्टरवाद तथा अलगाववाद के बारे में हमारी एक जैसी चिंताएं हैं। हम दोनों ही आतंकवाद के ख़िलाफ़ दृढ़ता से एक साथ खड़े हैं। क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर भी हमारा एक जैसा नजरिया है।'' प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही अफगानिस्तान में शांति की बहाली के लिए एक ऐसी प्रक्रिया की आवश्यकता जताई जो स्वयं अफगानिस्तान की अगुआई, स्वामित्व और नियंत्रण में हो। उन्होंने कहा, ''पिछले दो दशकों की उपलब्धियों को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है।''

मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी भी मजबूत हुई है और भारत, उज्बेकिस्तान के साथ विकास की भागीदारी को भी और घनिष्ट बनाना चाहता है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि भारतीय ''लाइन ऑफ क्रेडिट'' के अंतर्गत कई परियोजनाओं पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''उज्बेकिस्तान की विकास प्राथमिकताओं के अनुसार हम भारत की विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। अवसंरचना, सूचना और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत में काफी काबिलियत है, जो उज्बेकिस्तान के काम आ सकती है।'' भारत और उज्बेकिस्तान के बीच कृषि संबंधी संयुक्त कार्यकारी समूह की स्थापना को प्रधानमंत्री ने एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम बताया और कहा कि इससे दोनों देश अपने कृषि व्यापार बढ़ाने के अवसर खोज सकते हैं जिससे दोनों देशों के किसानों को मदद मिलेगी। मोदी ने कहा कि मीरजियोयेव के नेतृत्व में उज्बेकिस्तान में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहे हैं और भारत भी सुधार के मार्ग पर अडिग हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि कोविड-19 के बाद की दुनिया में दोनों देशों के बीच सहयोग की संभावनाएं और बढ़ेंगी। उन्होंने दोनों देशों के बीच सुरक्षा साझेदारी को द्विपक्षीय संबंधों का एक मजबूत स्तम्भ बताया और पिछले वर्ष हुए सशस्त्र बलों के पहले संयुक्त सैन्य अभ्यास का जिक्र किया। उन्होंने कह, ''अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्रों में भी हमारे सयुंक्त प्रयास बढ़ रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने कोविड-19 महामारी के इस समय में दोनों

देशों द्वारा एक-दूसरे को किए गए भरपूर सहयोग पर संतोष जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान दो समृद्ध सभ्यताएं हैं और प्राचीन समय से ही निरंतर आपसी संपर्क में रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के प्रदेशों के बीच भी सहयोग बढ़ रहा है। उन्होंने इसके लिए गुजरात और अन्दिजों की सफल भागीदारी के मॉडल को इसका उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर अब हरियाणा और फरगाना के बीच सहयोग की रूपरेखा बन रही है।

सार समाचार

सिंघू बॉर्डर पर लगा कूड़े का अंबार, किसानों ने कहा- ज्यादातर सफाई खुद ही कर रहे

नयी दिल्ली। दिल्ली के सिंघू बॉर्डर पर बीते 15 दिन से बड़ी संख्या में किसान कृषि सुधार कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, जहां अब कूड़े का अंबार लग गया है। कई किसानों की शिकायत है कि उन्हें प्रदर्शन स्थल की साफ-सफाई के लिये प्रशासन की ओर से बहुत कम मदद मिल रही है। कागज और प्लास्टिक के गिलासों के ढेर, बोतलें, फलों के छिलके, खाना बनाने से होने वाला कूड़ा,गंदे शौचालय और ठहरा हुआ पानी बदबू पैदा कर रहे हैं, जिससे प्रदर्शन स्थल की हालत बदतर हो गई है। पच्चीस नवंबर से यहां डटे करनाल के एक किसान ने कहा, नगर निगम के कर्मचारी एक बार ही साफ-सफाई के लिये आते हैं। सफाई के अधिकतर प्रयास किसानों को ही करने पड़ रहे हैं। दिल्ली और हरियाणा दोनों ओर नगर निगमों के कर्मचारी प्रदर्शन स्थल पर साफ-सफाई करते देखे जा सकते हैं, लेकिन किसानों का कहना है कि बड़ी तादाद में लोगों के जमा होने के चलते यहां सफाई रखने के लिये इतना काफी नहीं हैं। पंजाब के रामगढ़ के निवासी प्रदर्शनकारी गुरविंदर सिंह ने कहा, कई दिनों से शौचालयों की सफाई नहीं हुई है। सरकार की ओर से कोई मदद नहीं मिल रही।

पोषण करने वालों का शोषण बंद करे भाजपा सरकार: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा सरकार हृदयहीन रवैया अपनाकर किसानों की घोर उपेक्षा कर रही है और सरकार को पोषण करने वालों का शोषण बंद करना चाहिए। यादव ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा, ''सड़कों पर ठिठुरते आंदोलनकारियों की जायज़ माँगों को लेकर भाजपा सरकार हृदयहीन रवैया अपनाकर किसानों की घोर उपेक्षा कर रही है। इस पर जो वैश्विक प्रतिक्रिया आ रही है,उससे दुनियाभर में भारत की लोकतांत्रिक छवि को गहरी ठेस पहुँची है। भाजपा सरकार पोषण करनेवालों का शोषण करना बंद करे।''
समाजवादी पार्टी किसानों के आंदोलन का समर्थन कर रही है। किसानों के आंदोलन के समर्थन में यादव और पार्टी कार्यकर्ता सोमवार को सड़कों पर भी उतरे थे और उन्होंने धरना प्रदर्शन किया था। इस मामले में यादव और सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ गौतम पल्ली पुलिस थाने में मामला भी दर्ज हुआ था।

खतरे में शिमला का टूरिज्म! पर्यटकों के लिए तरस रहे हैं घुड़सवारी वाले, रोजगार हुआ ठप

शिमला (हिमाचल प्रदेश) (एएनआई)। हिमाचल प्रदेश की सबसे लोकप्रिय टूरिज्म डेस्टिनेशन शिमला में हर साल पर्यटकों का भारी मात्रा में जमवड़ा लगता था। बर्फबारी के मौसम के दौरान तो शिमला मनाली में होटल मिलना मुश्किल होता था लेकिन कोरोना वायरस का कहर इस हिल स्टेशन पर ऐसा हुआ कि यहां का पर्यटन काफी हद कर ठप हो गया है। घूमने फिरने के शौकीन लोग घूनमे आ रहे हैं लेकिन बहुत ही कम मात्रा में, पर्यटकों के घूमने फिरने का तरीका काफी बदल गया है। लोग घूमने आते हैं और केवल आपनी गाड़ियों में घूमते हैं और खूबसूरती को देख कर चले जाते हैं।
शिमला में जिन लोगों के घर का गुजारा पर्यकटों पर निर्भर करता था अब वह पर्यटकों के लिए तरस रहे हैं। शिमला में होने वाली मशहूर घुड़सवारी अब पर्यटक न के बराबार कर रहे हैं। महामारी के कारण शिमला के घुड़सवारों का व्यवसाय प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है। 8 महीने से अधिक समय से, ये घुड़सवार पर्यटकों के लिए तरस रहे हैं।
एक घुड़सवार ने कहा, 'हम बर्फबारी के दौरान अच्छे व्यवसाय की उम्मीद कर रहे थे लेकिन COVID-19 ने सब बर्बाद कर दिया है। हमारे व्यवसाय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पहले, हम उम्मीद कर रहे थे कि लॉकडाउन के बाद, हमारा व्यापार बढ़ेगा लेकिन कुछ भी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ है। ब्रिटिश काल से घुड़सवार शिमला की शान हैं।

मध्य प्रदेश के जबलपुर के तार हवाला कारोबारियों से जुड़े, रेलवे स्टेशन पर हवाला के 25 लाख रुपए जब्त

जबलपुर। मध्य प्रदेश की संस्कारधानी कहे जाने वाले जबलपुर शहर में पिछले कुछ माह में हवाला कारोबार से जुड़ी भारी रकम बरामद की गई है। वही बुधवार को एक बार फिर से मुख्य रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ कर्मियों ने एक युवक को उस वक्त पकड़ा जब वह मुम्बई जाने के लिए ट्रेन में बैठ रहा था। युवक के बैग की तलाशी लेने पर 25 लाख रुपए नगद मिले हैं। सूचना पर आयकर अधिकारियों ने पहुंचकर कर युवक से पूछताछ शुरू कर दी है। आरपीएफ के डीआईजी अरुण त्रिपाठी ने बताया कि बुधवार रात को गरीब रथ के आगमन के समय प्लेटफार्म नंबर एक के बाहर वैन रुकी, जिसमें से एक युवक बैग लेकर उतरा। वैन ड्राइवर से उसकी बहस हो रही थी, उसी समय प्लेटफार्म पर गरीब रथ आकर रुकी। गेट पर दोनों की बहस आरपीएफ का एक जवान देख रहा था। वजह पूछने के लिए उसने युवक को आवाज लगाई तो युवक अनसुना कर तेजी से बैग लेकर गरीब रथ की ओर बढ़ा। युवक बैग लेकर कोच में सवार हो गया। तभी पीछे से आरपीएफ जवान भी पहुंच गया और उसने विवाद की वजह पूछी, तो वह सकपका गया। शक होने पर उसका बैग खुलवाया, तो उसमें 500-500 रुपए के नोट थे।

ममता बनर्जी ने भाजपा नेतृत्व की तुलना एडोल्फ हिटलर और बेनितो मुसोलिनी से की

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर करारा प्रहार करते हुए उसके नेतृत्व की तुलना तानाशाहों - एडोल्फ हिटलर और बेनितो मुसोलिनी से की और आरोप लगाया कि पार्टी दुष्प्रचार में लगी हुई है। भगवा पार्टी के मुखर आलोचकों में से एक बनर्जी ने कहा कि उसने (भाजपा ने) अपने विरूद्ध चल रहे आंदोलनों का तोड़ने के लिए 'पटकथा तैयार' कर ली है और वह किसान आंदोलन के साथ ऐसा ही प्रयास कर रही है। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ने बुधवार को शहर में उनके निर्वाचन क्षेत्र भवानीपुर में हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा केसंपर्क कार्यक्रम की आलोचना की और कहा कि उसमें बहुत कम लोग थे। भाजपा नेतृत्वकी तानाशाहों -एडोल्फ हिटलर, बेनितो मुसोलिनी से और निकोले काक्सेकू से तुलना करते हुए बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस की किसान शाखा की विरोध रैली में कहा कि ''नरेंद्र मोदी की पार्टी

(भाजपा) अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए दुष्प्रचार में लगी हुई है। '' उन्होंने कहा कि भाजपा ने लोगों का ध्यान बांटने और अपने विरूद्ध आंदोलन का तोड़ने के लिए 'पटकथा तैयार' कर ली है और वह किसान आंदोलन के साथ ऐसा ही कर रही है।

उन्होंने कहा, ''नरेंद्र मोदी सरकार लोकतंत्र या संघीय ढांचे के सिद्धांतों या संविधान का पालन नहीं कर रही है तथा वह राज्य सरकार के क्षेत्राधिकार में अतिक्रमण कर रही है। '' बनर्जी ने दावा किया कि 400 सांसद होने के बाद भी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने ऐसी चीजें करने का दुस्साहस नहीं किया '' लेकिन भाजपा करीब 300 सांसदों के साथ, मन में जिस किसी कानून की इच्छा होती है, लागू कर रही है और आम आदमी को हितों को नुकसान पहुंचा रही है।'' अम्फान चक्रवात के सिलसिले में राहत कोष का लेखा-जोखा मांगने पर उन्होंने कहा, '' हम पहले यह जानना चाहते हैं कि पीएम केयर्स फंड का क्या हुआ।'' प्रधानमंत्री द्वारा नये संसद भवन की आधारशिला रखे जाने को 'स्टंट' करार देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए आवंटित राशि किसानों को उनके लाभ के लिए दी जा सकती थी क्योंकि ''वर्तमान संसद भवन फिलहाल पर्याप्त हो सकता है।'' उन्होंने कहा कि नये कृषि कानूनों के जरिये किसानों के अधिकार छीने लिये गये है और अब उनकी ऊपज कोरपोरेट बलपूवर्क खरीदेंगे तथा लोगों को ऊंचे दामों पर खाद्यान्न खरीदना होगा। तृणमूल सुप्रीमो ने कहा कि भाजपा बंगाल की नहीं बल्कि दिल्ली और उससे कहीं ज्यादा गुजरात की पार्टी है।

हिंद महासागर में रणनीति स्थानों के लिए बढ़ी होड़: सीडीएस जनरल बिपिन रावत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने हिंद महासागर में विभिन्न देशों की बढ़ती सक्रियता का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि सामरिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री क्षेत्र में विभिन्न अभियानों में मदद के लिए क्षेत्र से इतर देशों के बलों के 120 से अधिक जंगी जहाज तैनात किए गए हैं। जनरल रावत ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित वैश्विक सुरक्षा शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में ''सामरिक स्थानों और अड्डों के लिए होड़'' मची हुई है तथा आने वाले समय में इसमें और तेजी आने वाली है। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में अधिक से अधिक देशों की बढ़ती सक्रियता इसके रणनीतिक महत्व को दिखाता है।

जनरल रावत ने कहा, ''अभी हिंद महासागर क्षेत्र में विभिन्न अभियानों में मदद के लिए क्षेत्र से इतर देशों के बलों के 120 से अधिक जंगी जहाज तैनात हैं। क्षेत्र में अब तक कुल मिलाकर शांति बनी हुई है। हिंद महासागर भारतीय नौसेना के लिए काफी मायने रखता है क्योंकि इस क्षेत्र में भारत के रणनीतिक हित हैं और चीन लगातार अपनी मौजूदगी बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। वैश्विक ताकत बनने के लिए भारत की आकांक्षाओं का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि ''मुश्किलें पैदा करने वाले पड़ोसियों'' और क्षेत्र में बढ़ती होड़ के बावजूद भारत को इस दिशा में काम करना होगा।

भारत में सूखे की आधी घटनाएं उत्तरी अटलांटिक वायु प्रवाह के कारण : अध्ययन

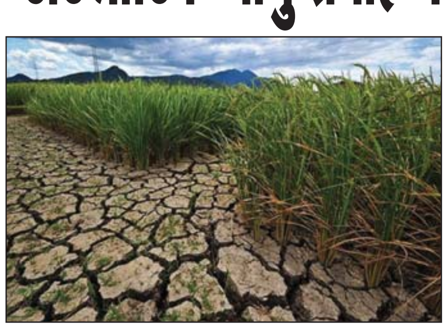

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

भारत में पिछली सदी में ग्रीष्मकालीन मानसून मौसम के दौरान सूखा पड़ने की लगभग आधी घटनाएं संभवतः उत्तरी अटलांटिक क्षेत्र की वायुमंडलीय गड़बड़ियों की वजह से हुईं। यह बात भारतीय विज्ञान संस्थान (आइआइएससी) के पर्यावरणीय एवं समुद्री विज्ञान केंद्र (सीएओएस) द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में कही गई है जो शोध पत्रिका 'साइंस' में प्रकाशित हुआ है।

वार्षिक भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून पर एक अरब से अधिक आबादी निर्भर है जिसमें जून से सितंबर के बीच देश में अच्छी-खासी बारिश होती है। जब यह मानसून विफल होता है तो देश के अधिकांश हिस्सों में सूखा पड़ता है जिसकी सामान्य वजह बार-बार होने वाले जलवायु घटनाक्रम 'अल नीनो' को बताया जाता है जिसमें भूमध्यवर्ती प्रशांत महासागरीय गर्म जल नमी से लैस बादलों को भारतीय उपमहाद्वीप से दूर खींच लेता है।

नए अध्ययन में कहा गया है कि भारत में पिछली सदी में सूखा पड़ने की 23 घटनाओं में से 10 तब हुईं जब 'अल नीनो' मौजूद नहीं था। तब सूखा पड़ने की इन घटनाओं का कारण क्या हो सकता है? आइआइएससी के अध्ययन में कहा गया है कि सूखा पड़ने की ये घटनाएं अगस्त के अंत में बारिश में अचानक अत्यधिक कमी आने की वजह से हुईं। संस्थान ने कहा कि बारिश में कमी की ये घटनाएं उत्तरी अटलांटिक महासागर के ऊपर मध्य अक्षांश पर पर्यावरणीय प्रवाह बनने से जुड़ी थीं जो उपमहाद्वीप के ऊपर फैल गया और मानसून को पटरी से उतार दिया।

लालू यादव को कोर्ट से फिर लगा बड़ा झटका, जमानत पर 6 हफ्ते के लिए टली सुनवाई

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने चारा घोटाले के एक मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई उनके वकील के अनुरोध पर छह सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। उच्च न्यायालय की कार्यवाही प्रारंभ होते ही यादव

के अधिवक्ता देवर्षि मंडल ने अपने मामले का उल्लेख कर सुनवाई के लिए छह सप्ताह बाद का समय निर्धारित करने का अनुरोध किया, जिस पर केन्द्रीय जांच ब्यूरो के अधिवक्ता ने भी रजामंदी जतायी। यादव के अधिवक्ता के अनुरोध और सीबीआई की रजामंदी के बाद न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने दुमका कोषागार से गबन से जुड़े चारा घोटाले के इस मामले में लालू की जमानत याचिका पर सुनवाई छह सप्ताह बाद निर्धारित करने के निर्देश दिये। अब जमानत याचिका पर सुनवाई 22 जनवरी को होगी। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को एक पूरक हलफनामा दाखिल कर कहा था कि यादव ने लगातार जेल नियमावली का उल्लंघन किया है और उनकी तबियत अब स्थिर है लिहाजा उन्हें रिम्स से बिरसा मुंडा जेल भेज दिया जाना चाहिए।

शरद पवार केंद्र सरकार से कहा, किसानों की सहिष्णुता का इम्तिहान न लें

मुंबई। (एजेंसी)।

केंद्र के नये कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को सरकार से कृषकों की सहिष्णुता का इम्तिहान नहीं लेने का आह्वान किया। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि यदि सरकार ने किसानों की मांगों पर समय से निर्णय नहीं लिया तो दिल्ली की सीमाओं पर चला रहा प्रदर्शन अन्यत्र भी फैल सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा विस्तृत चर्चा की मांग किये जाने के बावजूद संबंधित कृषि विधेयक संसद में 'हड़बड़ी' में पारित किये गये थे। विभिन्न राज्यों के किसान इन कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर करीब दो सप्ताह से दिल्ली के सिंघू, टिकरी, गाजीपुर और चिल्ला बार्डरों पर डेरा डाले हुए हैं। किसानों का कहना है कि ये कानून न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का सुरक्षा जाल खत्म कर देंगे और उनकी आमदनी पक्की करने वाली मंडियां भी हट जाएंगी। लेकिन सरकार के अनुसार एमएसपी व्यवस्था जारी रहेगी तथा नये कानून किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए और विकल्प उपलब्ध करायेंगे। पवार ने कहा, '' आज किसानों ने कानूनों को वापस लेने की कड़ी मांग की है और कहा है कि इस मुद्दे पर बाद में चर्चा की जा सकती है। लेकिन इस पर केंद्र का रूख अनुकूल नहीं जान पड़ता है। इसलिए ऐसे संकेत हैं कि गतिरोध कुछ और दिन चल सकता है।'' वरिष्ठ नेता ने कहा कि करीब 700 टैक्टरों से और लोग शुक्रवार सुबह प्रदर्शन से जुड़ने के लिए दिल्ली बार्डर पर पहुंचे। उन्होंने कहा,'' यह प्रदर्शन दिल्ली के बार्डर तक सीमित है। लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि यदि समय पर निर्णय नहीं लिया गया तो यह अन्यत्र भी फैल सकता है।'' राकांपा नेता ने कहा, ''हम भारत सरकार से आग्रह करते हैं कि किसान देश का अन्नदाता है और उसकी सहिष्णुता का इम्तिहान नहीं लिया जाना चाहिए।'' पवार ने बृहस्पतिवार को मीडिया में आयी इन अटकलों को खारिज किया कि वह संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के अध्यक्ष बन सकते हैं। उन्होंने कहा, ''यह झूठी खबर है। ऐसी झूठी खबरें न चलाएं।''

सुप्रीम कोर्ट ने काला धन जब्ती का कानून बनाने के लिए केंद्र को निर्देश देने से किया इनकार, जानें क्या कहा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने बेनामी, बेहिसाबी संपत्ति और ब्लैक मनी यानी काला धन जब्त करने का कानून बनाने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दो-टूक कहा है कि कानून बनाना संसद का काम है न्यायपालिका इसके लिए आदेश नहीं दे सकती है। न्यायपालिका को विधायिका और कार्यपालिका की भूमिका निभाने के लिए नहीं कहा जा सकता है।

न्यायपालिका में ज्वलंत मसलों को रखने वाले भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की ओर से यह याचिका दाखिल की गई थी। हालांकि जस्टिस संजय किशन कौल , जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस ऋषिकेष रॉय की पीठ ने उपाध्याय को इस बारे में विधि आयोग के समक्ष प्रतिवेदन देने की इजाजत दे दी।

सर्वोच्च अदालत के मुताबिक, प्रतिवेदन में विधि आयोग से मौजूदा कानूनों में संशोधन करने या नया कानून बनाकर ब्लैक मनी जमा करने के अपराध में सजा का प्रावधान करने की संभावना तलाशने की गुजारिश की जा सकती है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि न्यायपालिका से यह नहीं कहा जा सकता है कि वह सारी भूमिकाएं अपने हाथ में ले ले। संविधान में भी ऐसी ही परिकल्पना है। न्यायपालिका का काम निगरानी का है।

सर्वोच्च अदालत ने जनहित के मामले उठाने को लेकर उपाध्याय के अच्छे कार्यों की सराहना की साथ ही कहा कि यह अब 'पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटीगेशन' बनता जा रहा है। बेशक याचिकाकर्ता ने अच्छे कार्य किए हैं लेकिन हम इस जनहित याचिका पर विचार नहीं कर सकते है। सुनवाई के दौरान उपाध्याय की ओर दलील दी गई कि राम जेठमलानी ने भी कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट में ऐसे ही मसले उठाए थे।

याचिकाकर्ता उपाध्यय की ओर से पेश हुए वकील गोपाल शंकर नारायणन ने कहा कि इस मसले पर कानून बनाने के बारे में पूरी तरह से इच्छा शक्ति का अभाव नजर आता है। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि कानून बनाना संसद का काम है और न्यायपालिका संसद को कानून बनाने के लिए आदेश नहीं दे सकती है। याचिकाकर्ता को इस मसले पर जन प्रतिनिधियों को कानून बनाने के लिए तैयार करना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)